कोटद्वार, मंगलवार
7 अक्टूबर 2025
वर्ष: 47
अंक: 149 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

एनडीपीएस एक्ट के आरोपी राहुल को हाईकोर्ट से जमानत

नैनीताल। हाईकोर्ट ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत गिरफ्तार रुद्रपुर निवासी राहुल दास को सशर्त जमानत दे दी है। राहुल दास के खिलाफ 16 दिसंबर 2024 को ट्रांजिट कैंप, ऊधमसिंह नगर में मामला दर्ज किया गया था। उन पर दो किलो 55 ग्राम कथित प्रतिबंधित पदार्थ की व्यावसायिक मात्रा रखने का आरोप था। आरोपी तब से जेल में बंद था और 25 मई 2025 को उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी थी। राहुल दास के अधिवक्ता ने कोर्ट में तर्क दिया कि एनडीपीएस अधिनियम की धारा 52ए का पर्याप्त अनुपालन नहीं किया गया। साथ ही, सह–आरोपी नंदन सिंह बिष्ट को 16 मई 2025 को पहले ही जमानत मिल चुकी थी। इन तर्कों के आधार पर न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने आरोपी को सशर्त जमानत दे दी।

सिलेंडर फटने से लाखों का सामान जलकर राख

चमोली : विकासखंड नारायणबगड़ के रैंस गांव में सोमवार सुबह एक ढाबे में गैस सिलेंडर फट गया। हादसे में ढाबा सहित लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रैंस गांव निवासी मनीष बुटोला का गांव के समीप ढाबा और परचून की दुकान थी। सोमवार सुबह करीब नौ बजे मनीष ढाबे में दाल रखने के बाद बाहर आया ही था कि अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई और जोरदार धमाके के साथ सिलेंडर फट गया। देखते ही देखते आग ने पूरे ढाबे को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत रही कि घटना के समय ढाबे में कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय ग्रामीणों ने किसी तरह आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। घटना की सूचना राजस्व विभाग को दे दी गई है। ग्राम प्रधान दिगपाल रैंसवाल ने बताया की इसकी सूचना राजस्व पुलिस को दे दी गई है। जल्द ही राजस्व पुलिस मौके पर पहुंचकर उचित कार्यवाही की जायेगी। (एजेंसी)

झमाझम बारिश से पारा लुढ़का

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में सोमवार शाम आधा घंटे की झमाझम बारिश से ठंडक बढ़ गई है। इससे पारा भी लुढ़क गया है। सोमवार को खरीदारी को बजार आए लोग भी बारिश में भीग गए। त्योहारी सीजन के चलते इन दिनों बाजार में अच्छी भीड़ जुट रही है। अक्टूबर की शुरुआत से ही तीर्थनगरी में सुबह और शाम के समय हल्की सर्दी का अहसास होने लगा था, लेकिन सोमवार दोपहर बाद से ही मौसम करवट बदलने लगा। आसमान में काले बादल छाए और कुछ ही देर में तेज हवाएं चलने लगीं। अचानक बूंदाबांदी भी शुरू हो गईं। कुछ देर बाद बारिश तेज हो गई। करीब आधा घंटे तक हुई झमाझम बारिश से मौसम में ठंडक बढ़ गई। जिससे त्योहारी सीजन में बाजार में खरीदारी को आए लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। इन दिनों विवाह और करवाचौथ की तैयारी को लेकर बाजार में ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। पर्वतीय क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्र से भी लोग यहां खरीदारी को आते हैं। सोमवार को ऋषिकेश का अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहा। तेज हवाएं चलने से गुल हो गई बिजली सोमवार शाम तेज हवाएं चलने से बिजली गुल हो गई। पेड़ की टहनियां तारों में उलझने से दिक्कत आई।

ऋषिकेश में शरद पूर्णिमा पर गंगा स्नान को उमड़े श्रद्धालु

ऋषिकेश, शरद पूर्णिमा पर तीर्थनगरी के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। त्रिवेणी घाट, मुनिकीरेती, लक्ष्मणझूला और स्वर्गाश्रम क्षेत्र में लोगों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। हरकी पैड़ी पर गंगा में पानी कम आने से ऋषिकेश क्षेत्र के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। सोमवार को शरद पूर्णिमा पर तमाम गंगा घाटों पर तड़के से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती दिखी। ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट, रामानंद घाट, दत्तात्रेय घाट, नाव घाट, पीपल घाट, साईं घाट, 72 सीढ़ी घाट, मुनिकीरेती स्थित दयानंद घाट, शत्रुघ्न घाट, स्वर्गाश्रम स्थित परमार्थ निकेतन घाट, सीता घाट आदि जगहों पर श्रद्धालुओं ने पहुंचकर गंगा स्नान किया। हरिद्वार में हरकी पैड़ी में गंगा नदी बंद होने का असर ऋषिकेश क्षेत्र में देखने को मिला।

यमुनोत्री धाम और सीमांत मोरी क्षेत्र के उंचाई वाली चोटियों पर बर्फबारी

उत्तरकाशी। सोमवार को मौसम के करवट लेते ही उत्तरकाशी जिला मुख्यालय सहित गंगोत्री–यमुनोत्री धाम में रिमझिम बारिश का दौर शुरू हुआ। यमुनोत्री धाम और सीमांत मोरी क्षेत्र के ऊंचाई वाली चोटियों पर हल्की बर्फबारी भी हुई है। मौसम में आए बदलाव से निचले इलाकों में ठंड महसूस होने लगी है। सोमवार को सुबह से ही असमान पर बादल छाए रहे, जिसके बाद मौसम ने करवट बदली और ऊंचाई वाले क्षेत्रों सहित गंगा और यमुनाघाटी क्षेत्र में बूंदाबांदी शुरू हुई। मौसम बदलने से यमुनोत्री धाम की आसपास वाली चोटियों में बर्फ गिरने से चोटियों ने सफेद चादर ओढ़ ली। यमुनोत्री धाम में सुबह से लेकर दिनभर रिमझिम बारिश के बीच श्रद्धालुओं की भीड़ रही तथा यहां यमुना में श्रद्धा की डुबकी लगाकर मां यमुना के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। क्षेत्र में हुई इस बारिश के साथ ठंड ने भी दस्तक दे दी है। ठंड बढ़ने से लोगों के गर्म कपड़े भी बाहर निकल आए। गंगोत्री धाम भी रिमझिम बारिश होने से घाटी में ठंडक बढ़ी है। हर्षिल, धराली क्षेत्र में लोग गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में भी दोपहर बाद रिमझिम बारिश होने से हल्की ठंड महसूस हो रही है। मोरी विकास खण्ड के ऊंचाई वाले इलाकों में साल का पहला हिमपात होने से लोगों में खुशी का माहौल दिखा। गोविंद वन्य जीव विहार राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र के विश्व विख्यात पर्यटन स्थल हरकीदून, देवक्यार, भराड़सर जल सरोवर, बाली पास एवं केदारकांठा आदि दर्जनों पर्यटक स्थलों में साल का पहला हिमपात होने से पर्यटन से जुड़े व्यवसाय और ट्रैकिंग एजेंसियों के लोगों में खुशी देखने को मिली। सुबह से मोरी के निचले हिस्सों रूक रूक कर रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। मोरी क्षेत्र में इस साल की पहली बर्फबारी हुई है और आसपास की घाटियों में ठंडी हवाओं ने सर्दियों के आगमन का संकेत दिया है।

बदरीनाथ की पहाड़ियों में हुई बर्फबारी

चमोली : बदरीनाथ की पहाड़ियों में सोमवार दोपहर तीन बजे के बाद हल्का हिमपात शुरू हो गया है, जबकि पूरे बदरीनाथ क्षेत्र में मूसलाधार बारिश के कारण ठंड बढ़ गई है। बदरीनाथ दर्शन को आए तीर्थयात्रियों को मौसम की कड़कड़ाती ठंड का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से ही पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम में बदलाव दिखने लगा था। आसमान में घने काले बादल छाए हुए थे, जो दोपहर के बाद उंची चोटियों पर हिमपात और निचले इलाकों में भारी बारिश में तब्दील हो गए। इससे पूरा क्षेत्र शीतलहर की चपेट में आ गया है। लोग ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने लगे हैं। बदरीनाथ धाम के आसपास नर नारायण पर्वत, उर्वशी पर्वत, नीलकंठ और सतोपंथ की पहाड़ियों में हिमपात हो रहा है। वहीं, ज्योतिर्मठ में साढ़े तीन बजे के बाद तेज बारिश हुई। जोशीमठ के आसपास की पहाड़ियों में भी हिमपात शुरू हो गया है, जिससे ठंड ने यहां भी दस्तक देनी शुरू कर दी है। (एजेंसी)

मुख्यमंत्री ने किया सी.एल.एफ. के लिए 1.20 करोड़ की 12 आर्थिक गतिविधियों का लोकार्पण

10 अन्य सी.एल.एफ. हेतु 1 करोड़ की प्रस्तावित आर्थिक गतिविधियों का हुआ शिलान्यास
'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को साकार कर रहे हैं आजीविका मेले

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश में आयोजित ''सरस आजीविका मेले'' में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सी.एल.एफ. हेतु 1.20 करोड़ रुपये की 12 आर्थिक गतिविधियों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 10 अन्य सी.एल.एफ. के लिए 1 करोड़ रुपये की प्रस्तावित आर्थिक गतिविधियों का शिलान्यास भी किया। उन्होंने ऑन लाईन कोचिंग क्लास का भी लोकार्पण किया गया है। इस कोचिंग क्लास में अब युवा जेईई और नीट आदि की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी अपने गांव-घर में रहते हुए भी कर सकेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मेले में ग्राम्य विकास विभाग और जिला प्रशासन द्वारा 'ग्रामोत्थान परियोजना' के अंतर्गत की गई पहल की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेला हमारे ग्रामीण क्षेत्रों की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा, कौशल और उद्यमिता को प्रदर्शित

करने का एक अनूठा प्रयास है। आजीविका मेलों के माध्यम से, जहां एक ओर स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट मंच मिलता है, वहीं ये मेले आदरणीय प्रधानमंत्री के ''आत्मनिर्भर भारत'' और ''वोकल फॉर लोकल'' के मंत्र को भी साकार करने में सहायक सिद्ध होते हैं। ऐसे मेलों के माध्यम से हम ग्रामीण कारीगरों, महिला स्वयं सहायता समूहों, हस्तशिल्पियों, ग्रामीण उद्यमियों के साथ साथ कृषि उत्पादों और ग्रामीण कौशल को भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इस मेले में स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉल ''स्वदेशी अपनाओ'' के उस संदेश को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसमें हमें अपने गांव, अपने प्रदेश और अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देने का संकल्प लेना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम स्वदेशी उत्पाद खरीदते हैं तो वो सिर्फ एक सामान की खरीद नहीं होती, बल्कि वो हमारे ग्रामीण कारीगरों, मातृशक्ति और उद्यमियों के सपनों में निवेश होता है। इसलिए स्वदेशी अपनाना न केवल हमारी संस्कृति और परंपरा को जीवित रखता है, बल्कि यह हमारे किसानों, हस्तशिल्पियों और स्थानीय उद्यमियों की आजीविका को भी सुरक्षित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब एक महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है तो वो न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज को सशक्त बनाने का कार्य करती है। इसी को देखते हुए हमने ''लखपति दीदी योजना'', ''मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना'' और ''मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना'' के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष फोकस किया है।

सोनम वांगचुक को क्यों रिहा किया जाए?

एससी का केंद्र से सीधा सवाल, गिरफ्तारी पर नोटिस जारी

नई दिल्ली ,लद्दाख के प्रसिद्ध क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत गिरफ्तारी और रिहाई की मांग को लेकर दायर याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो की याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने सख्त रुख अपनाया और केंद्र सरकार, लद्दाख प्रशासन व जोधपुर जेल अधीक्षक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा है कि सोनम वांगचुक को आखिर क्यों रिहा नहीं किया जाना चाहिए।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच के समक्ष वांगचुक की पत्नी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पेश हुए। उन्होंने दलील दी कि सोनम वांगचुक को 26 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन आज तक परिवार को यह जानकारी नहीं दी गई है कि उन्हें किस आधार पर गिरफ्तार किया गया है। सिब्बल ने कहा, यह गिरफ्तारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला नहीं, बल्कि एक एक्टिविस्ट को चुप कराने की कोशिश है। मेरे मुवक्किल (वांगचुक) गांधीवादी तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, जो उनका संवैधानिक अधिकार है। यह संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत मिली अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन है।

इस पर केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति (वांगचुक) को गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी दी गई है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इन कारणों की एक विस्तृत कॉपी उनकी पत्नी को भी उपलब्ध कराई जाए। गौरतलब है कि सोनम वांगचुक पर हिंसा भड़काने वाले बयान देने का आरोप है और उन्हें रासुका के तहत जोधपुर सेंट्रल जेल में रखा गया है। याचिका में गीतांजलि ने मांग की है कि उनके पति को टेलीफोन पर बात करने और उनसे मुलाकात करने की अनुमति दी जाए। इसके अलावा जेल में उचित दवा, भोजन और कपड़ों की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की गई।

रुद्रपुर में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंची टीम को विरोध के बीच लौटना पड़ा

रुद्रपुर। वार्ड 35 में सोमवार को स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने पहुंची ऊर्जा निगम की टीम को स्थानीय लोगों के विरोध के चलते वापस लौटना पड़ा। लोगों ने त्योहारी सीजन में मीटर लगाने को अनुचित बताते हुए आपत्ति दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार, ऊर्जा निगम की टीम वार्ड 35 में मीटर लगाने पहुंची थी। इस दौरान पार्षद गोविंद राय ने मौके पर पहुंचकर विरोध जताया और लोगों से अपील की कि वे त्योहार के समय मीटर न लगवाएं। स्थानीय निवासियों ने भी अपने घरों में मीटर लगवाने से इनकार कर दिया। इसके बाद टीम वार्ड 34 के लिए रवाना हुई, लेकिन जैसे ही पार्षद इंद्रजीत को जानकारी मिली, उन्होंने व्यापार मंडल और स्थानीय नागरिकों को सूचना देकर विरोध दर्ज कराया। पार्षदों और व्यापारिक संगठनों ने आरोप लगाया कि दीपावली जैसे बड़े त्योहार के मौके पर निगम की टीम लोगों की व्यस्तता का फायदा उठाकर मीटर लगाने की कोशिश कर रही है, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बिना सहमति मीटर लगाए जाने पर आम जनता सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी।

जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अग्निकांड, 7 मरीजों की जलकर दर्दनाक मौत

जयपुर , जयपुर के सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रॉमा आईसीयू में देर रात लगी भीषण आग में 7 मरीजों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मौके पर पहुंचे और राहत–बचाव कार्य का जायजा लिया। अस्पताल के इंचार्ज जगदीश मोदी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। अचानक लगी आग ने एक–दो मिनट में पूरे आईसीयू वार्ड को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अफरातफरी मच गई। अस्पताल स्टाफ ने तुरंत मरीजों को दूसरे वार्डों में शिफ्ट किया। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन पूरा आईसीयू वार्ड जलकर खाक हो गया है। दमकलकर्मियों को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि धुएं के बाहर न निकल पाने के कारण स्थिति बेहद विकट थी। एक दमकलकर्मी ने बताया कि आग पर पूरी तरह काबू पाने

और घायलों को बाहर निकालने में करीब डेढ़ से दो घंटे का समय लगा। इस दौरान दमकलकर्मी और अस्पताल स्टाफ ने जोखिम उठाकर मरीजों को बाहर निकाला। चश्मदीदों के अनुसार आग लगते ही अस्पताल में भगदड़ मच गई थी। कुछ स्टाफ आग बुझाने में जुट गया, जबकि बाकी मरीजों को बाहर निकालने में मदद कर रहे थे। कई मरीजों की मौत दम घुटने से हुई बताई जा रही है। हादसे में अपनी मां को खोने वाले नरेंद्र ने कहा, मां की हालत में सुधार था, उन्हें दोपहर में नॉर्मल वार्ड में शिफ्ट किया जाना था, लेकिन इससे पहले ही यह हादसा हो गया। वहीं एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि उसकी भाभी दो हफ्ते से अस्पताल में भर्ती थीं। आग इतनी तेज थी कि उन्हें बचाने की कोशिश में भतीजे का भी दम घुट गया, अब वह खुद सांस लेने में दिक्कत महसूस कर रहा है। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई और घायलों को हर संभव सहायता देने के निर्देश दिए।

अंतरिक्ष में भी बदल रहा मौसम, सैटेलाइट और स्पेस मिशन पर खतरा, वैज्ञानिक ने बताई वजह

देहरादून। सिर्फ धरती ही नहीं अंतरिक्ष में भी मौसम बदल रहा है। उत्तराखंड की महिला वैज्ञानिक के हालिया प्रकाशित शोध से इसका खुलासा हुआ है। रिसर्च कहती है कि सोलर फ्लेयर के कारण तापमान बढ़ रहा है। इससे स्पेस और सैटेलाइट मिशन को भी खतरा है।

सूरज में हो रहे विशाल विस्फोटों (सोलर फ्लेयर) से अंतरिक्ष का मौसम बदल रहा है।

सूर्य से निकलने वाले विशालकाय फ्लेयर से तापमान बढ़ने के कारण सेटेलाइट सिस्टम और स्पेस एक्टिविटिज पर भी असर पड़ रहा है।

हल्द्वानी की महिला वैज्ञानिक की रिसर्च

सूर्य के अत्यधिक पराबैंगनी और एक्स–रे तरंगदैर्ध्य पर नासा व यूरोपियन अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा लिए गए चित्रों और स्पेक्ट्रम के अध्ययन से यह खुलासा हुआ है। हल्द्वानी की वैज्ञानिक डॉ. हेमा खड़ायत का यह शोध शनिवार को विश्व की श्रेष्ठ पत्रिका अमेरिकन जर्नल द्यद एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

लाखों हाइड्रोजन बम के बराबर विस्फोट

डॉ. हेमा खड़ायत अपने शोध का हवाला देते हुए बताती हैं कि प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्र के विशालकाय बादलों के फटने से सौर तूफानों की उत्पत्ति होती है। सूर्य सूर्य की सतह पर अचानक ऊर्जा विस्फोट होने को सोलर फ्लेयर कहा जाता है। यह घटना कुछ ही मिनट में इतनी अधिक ऊर्जा उत्सर्जित करती है कि उसकी तुलना लाखों मेगाटन हाइड्रोजन बम के एक साथ फटने से की जा सकती है। सूर्य में हो रही इस तरह की घटनाओं का अंतरिक्ष के मौसम पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है।

क्या सच में बंद हो गया नासा?भविष्य के मिशनों पर खतरा

नासा के कई महत्वाकांक्षी मिशन जैसे कार्यक्रम, जो चंद्रमा पर मानव भेजने की तैयारी कर रहा है, अब विलंब का सामना कर सकते हैं. अनुसंधान परियोजनाएं, विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग और कॉन्ट्रैक्चुअल कामकाज भी प्रभावित हुए हैं.

वैज्ञानिक समुदाय में चिंता

इस शटडाउन से नासा के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों में अनिश्चितता बढ़ गई है. पिछली बार 2018–2019 में भी ऐसा हुआ था, जिससे कई प्रोजेक्ट रुक गए थे.

बच्चों के कफ सिरप पर केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली , बच्चों में कफ सिरप के इस्तेमाल से जुड़ी हालिया घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिल श्रीवास्तव ने सभी राज्यों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक कर दवा निर्माता कंपनियों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर कंपनियां निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं करती हैं, तो उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। स्वास्थ्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी दवा निर्माता कंपनियों को संशोधित 'शेड्यूल एमझ् (स्ष्द्धद्गस्नह्वद्यद्ग रू) के तहत तय किए गए गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करना होगा। उन्होंने राज्यों को दवाओं की गुणवत्ता की निगरानी बढ़ाने और किसी भी तरह की शिकायत को तुरंत प्लेटफॉर्म पर दर्ज कराने का निर्देश दिया।

सचिव श्रीवास्तव ने आम जनता के लिए भी महत्वपूर्ण सलाह जारी की। उन्होंने कहा, बच्चों में होने वाली अधिकांश खांसी मामूली होती है और समय के साथ अपने आप ठीक हो जाती है। इसलिए कफ सिरप का इस्तेमाल बहुत सोच–समझकर और केवल चिकित्सकीय सलाह पर ही किया जाना चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि बच्चों को अंधाधुंध दवा देना उनकी सेहत पर गंभीर असर डाल सकता है।

कनाडा में तीन जगहों पर फायरिंग, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

टोरंटो/नई दिल्ली ,कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मौजूदगी का दावा किया है। कनाडा में रविवार देर रात तीन अलग–अलग जगहों पर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पर ली है। गैंग की ओर से किए गए पोस्ट में लिखा गया है कि 2 नंबर के धंधे यानी अवैध कारोबार करने वालों से वसूली की जाती है, मेहनत करने वालों से नहीं। गैंग की ओर से पुर्तगाल में रहने वाले फतेह पुर्तगाल ने इन घटनाओं की जिम्मेदारी ली है। उसने सोशल मीडिया पर फायरिंग का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें एक शूटर अत्याधुनिक हथियार से गोलियां चलाता नजर आ रहा है। यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। कनाडाई पुलिस ने सभी घटनास्थलों को सील कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, फायरिंग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, पुलिस इसे संगठित

अपराध से जुड़ी बड़ी साजिश के रूप में देख रही है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही कनाडा सरकार ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग को आतंकी संगठन घोषित किया था। इसके बाद से ही गैंग सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी मौजूदगी दिखाने की कोशिश कर रहा है। पोस्ट में चेतावनी देते हुए लिखा गया कि, हम मेहनत करने वालों से दुश्मनी नहीं रखते, लेकिन जो हमारे लोगों को परेशान करते हैं या गलत तरीके से पैसा वसूलते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जल्द दौड़ेगी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन, भारत का पहला हाइड्रोजन प्लांट तैयार

जींद ,हरियाणा के जींद से देश में स्वच्छ ऊर्जा के नए युग की शुरुआत होने जा रही है। भारत का पहला हाइड्रोजन फ्यूल प्लांट लगभग तैयार है और अगले 10–15 दिनों में इसका काम पूरी तरह पूरा हो जाएगा। पेट्रोलियम मंत्रालय सहित कुछ विभागों से अंतिम स्वीकृति (एनओसी) मिलना बाकी है, जो जल्द मिलने की उम्मीद है। प्लांट की जांच के दौरान फायर फाइटिंग सिस्टम में मिली कमियों को दुरुस्त किया जा रहा है। फिलहाल प्लांट में हाइड्रोजन गैस का उत्पादन शुरू हो गया है और इसकी टेस्टिंग जारी है। यह प्लांट प्रतिदिन 430 किलोग्राम हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा, जिस पर करीब 70 करोड़ रुपये की लागत आई है। इस पायलट परियोजना के

तहत एक डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट रैक को हाइड्रोजन ईंधन में अपग्रेड किया जा रहा है। सबसे पहले जींद–गोहाना–सोनीपत रेल मार्ग (करीब 89 किमी) पर हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन दौड़ेगी। ट्रेन की गति 110 से 140 किमी प्रति घंटे तक होगी और इसमें एक बार में 2638 यात्री यात्रा कर सकेंगे। हाइड्रोजन की आपूर्ति इसी जींद प्लांट से की जाएगी। प्लांट में तीन हजार किलोग्राम भंडारण क्षमता वाला ईंधन स्टेशन, कंप्रेसर और तेज रिफ्यूलिंग के लिए प्री–कूलर इंटीग्रेशन वाले दो डिस्पेंसर लगाए गए हैं। यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित होगी, जो पारंपरिक डीजल ट्रेनों का पर्यावरण–अनुकूल विकल्प साबित होगी। ट्रेन का इंजन धुएं की बजाय पानी और भाप छोड़ेगा, जिससे कार्बन उत्सर्जन शून्य रहेगा और वायु प्रदूषण में कमी आएगी। भारत की यह पहली हाइड्रोजन ट्रेन देश में हरित ऊर्जा और स्वच्छ परिवहन के क्षेत्र में एक मील का पत्थर मानी जा रही है।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका, अमेरिकी अदालत ने पोर्टलैंड में 200 नेशनल गार्ड की तैनाती पर लगाई रोक

वॉशिंगटन ,अमेरिकी संघीय न्यायालय ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर 18 अक्टूबर तक अस्थायी रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि हाल के विरोध प्रदर्शनों को 'विद्रोह नहीं कहा जा सकता और ये प्रदर्शन कानून–व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा नहीं हैं।

पोर्टलैंड की जिला जज करिन इमरगुट ने यह आदेश जारी करते हुए कहा कि प्रशासन ने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया जिससे यह साबित हो सके कि पोर्टलैंड में हालात इतने बिगड़े हों कि नेशनल गार्ड की तैनाती जरूरी हो। उन्होंने यह भी माना कि संघीय सरकार की यह कार्रवाई राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करती है। यह फैसला ट्रंप के लिए करारा झटका माना जा रहा है, क्योंकि वे डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले उन शहरों में भी सेना भेजना चाहते हैं जिन्हें वे अराजक बताते हैं।

राशन डीलरों को केंद्र के बरबार मिलेगा राज्य का लाभांश

देहरादून। उत्तराखंड में राशन डीलरों को राज्य खाद्य योजना में भी केंद्रीय खाद्य योजना के समान लाभांश दिया जाएगा। खाद्य मंत्री रेखा आर्य ने मंगलवार को विधानसभा में राशन डीलरों के साथ बैठक में यह आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि दिवाली तक इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जाएगी। साथ ही उन्होंने 2024 के सभी बकाया भुगतान करने के निर्देश भी अफसरों को दिए। खाद्य मंत्री रेखा आर्या ने विधानसभा स्थित सभागार में राशन डीलर्स के भुगतान और अन्य समस्याओं को लेकर अधिकारियों और ऑल इण्डिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन उत्तराखण्ड के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। लाभांश और माल भाड़े

का भुगतान न होने की शिकायतों पर मंत्री ने अधिकारियों को 2024 तक के सभी बकाया का भुगतान करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों से कहा कि सभी जिलों में समान तरीके से भुगतान सुनिश्चित किया जाए। केंद्र से जो बजट मिलता है, उसे जिलों को समान रूप से आवंटित किया जाए। कोविड के समय के मालभाड़े का भुगतान भी जल्द कर दिया जाएगा। राशन डीलरों की ओर से मानदेय के विषय को लेकर मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि दूसरे राज्यों की व्यवस्था पर परीक्षण करने के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा। बैठक में प्रमुख सचिव खाद्य एल फैनई, कमिशनर खाद्य चंद्रेश कुमार यादव, अपर आयुक्त पीएस पांगती, ऑल इण्डिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन के अध्यक्ष रेवाधर ब्रजवासी समेत अन्य मौजूद रहे। तकनीकी स्टॉफ बढ़ाएगा विभाग बैठक में राशन डीलरों ने ई–पॉस मशीन में आ रही दिक्कतों को रखा।

सम्पादकीय

मौसम की करवट

उत्तराखंड में एक बार फिर मौसम ने करवट बदली है। राज्य के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है तो वहीं मैदानी क्षेत्रों में भी लगातार हो रही बारिश ने आम जनजीवन को प्रभावित किया है। अभी हाल ही में विदा हुए मानसून के दौरान उत्तराखंड ने व्यापक तौर पर आपदा का मंजर देखा था जिसमें चमोली, पौड़ी, देहरादून एवं रुद्रप्रयाग जिलों में बादल फटने की घटना ने काफी नुकसान किया था। इस पूरे आपदा के दौरान पूरी सरकारी मशीनरी राहत कार्यों में जुटी रही तो वहीं प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने के परिणाम भी देखने को मिले। इधर एक बार फिर राज्य में मौसम तेजी से बदला है और पिछले दो दिन से हो रही बारिश के कारण अब यह निश्चित हो चुका है कि इस बार प्रदेश के लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ेगा। जहां एक तरफ बरसात के कारण आई आपदा से भारी नुकसान हुआ है वहीं आने वाला समय यह बता रहा है कि इस बार की ठंड अपने साथ कई नई स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी लेकर आएगी। खास तौर से बच्चों एवं बुजुर्गों के लिए ठंड का यह मौसम हिदायतों के साथ रहने वाला होगा और इस दौरान कुछ खास बातों को अमल में लाना स्वास्थ्य की दृष्टि से आवश्यक होगा। खास तौर से बुजुर्गों को अपनी सेहत के प्रति सतर्क रहना होगा। बारिश का यह दौर अगले दो दिन रहने का अनुमान मौसम विभाग द्वारा जताया गया है और इस दौरान बारिश के कारण उन आपदा ग्रस्त क्षेत्रों में भी प्रभाव देखने को मिल सकता है जहां सरकार की ओर से आपदा के बाद पुनर्निर्माण के कार्य किया जा रहे हैं। खास तौर से सर्दियों के मौसम से पूर्व की बरसात में मानसून में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के निर्माण कार्य को भी प्रभावित किया है और कुछ स्थानों पर विभाग द्वारा लगाए गए पेचवर्क गुणवत्ता के अभाव में अपनी कहानी बयां करने लगे हैं। केदारनाथ धाम सहित ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी देखने को मिली है जो पर्यावरण संतुलन की दिशा से एक अच्छा संकेत है, लेकिन मैदानी क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति अभी भी जस की तस बनी हुई है। मानसून के बाद कुछ दिन की थमी बारिश के बाद गर्मी का असर एक बार पुनः देखने को मिला था लेकिन इस बारिश को शीतकाल की दस्तक माना जा रहा है। राज्य प्रशासन को सभी जिलों में अभी से ठंड के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां के संबंध में एडवाइजरी जारी कर देनी चाहिए। साथ ही जिला प्रशासन को भी गरीब तबके एवं खुले आसमान के नीचे रातें गुजरने वाले लोगों के लिए रैन बसेरा जैसी आवश्यकताओं को अभी से सुनिश्चित कर लेना चाहिए। इस बार अच्छी सर्दी की संभावना नजर आ रही है जो की पर्यटन की दृष्टि से भी लाभकारी साबित हो सकती है।

मोटापे और कुपोषण से सीधे निपटना: मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 रणनीति

मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण2.0 के माध्यम से मंत्रालय बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के पोषण परिणामों को बेहतर बनाने हेतु एक समन्वित तंत्र विकसित कर रहा है। इस अभियान का केंद्र है, देशभर में फैले 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों का विशाल नेटवर्क, जो लगभग 10 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रहा है। यद्यपि इसमें 1 करोड़ से अधिक महिलाएँ और 23 लाख से अधिक किशोरियाँ शामिल हैं, लेकिन लाभार्थियों में से अधिकांश 6 महीने से 6 वर्ष की आयु के बच्चे हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 'एक समय पर एक भोजनइ के सिद्धांत पर कार्य करते हुए 8 करोड़ से अधिक बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के ज़रिए, भविष्य को पोषित कर रहा है। इस प्रयास का मूल है– पूरक पोषण कार्यक्रम, जिसके अंतर्गत बच्चों को गर्म पका हुआ भोजन और सभी लाभार्थियों को पौष्टिक टेक होम राशन प्रदान किया जाता है, जिसका उद्देश्य अनुशंसित आहार भत्ता (आरडीए) और औसत दैनिक सेवन (एडीआई) के बीच के महत्वपूर्ण अंतर को पाटना है।

2018 में, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जीके दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत के पोषण परिदृश्य को रूपांतरित करने के लिए एक प्रमुख योजना के रूप में पोषण अभियान शुरू किया गया था। महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं कल्याण पर केंद्रित यह मिशन, भारत की कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ है।यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक विकासशील भारत के निर्माण हेतु प्रतिबद्धता है– एक ऐसा भारत जो स्वस्थ, सशक्त और समावेशी हो।'विकसित भारतञ्च2047इ की यात्रा में पोषण अभियान एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु संकल्पित है– एक ऐसा भारत जहाँ हर बच्चा सुपोषित हो, हर माँ सशक्त हो, और हर नागरिक को आगे बढ़ने का अवसर मिले।

जब एक बच्चा सही पोषण पाता है, अच्छीतरह सीखता है और मजबूतीसेबढ़ता है– तो हम केवल एक जीवन नहीं, बल्कि सम्पूर्णराष्ट्र की दिशा बदलते हैं। बच्चों को पर्याप्त पोषण, शिक्षा और सामुदायिक देखभाल प्रदान करके हम एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य में निवेश कर रहे हैं– विकसित भारत के भावी नेतृत्व को आकार दे रहे हैं। एक स्वस्थ बच्चा केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की चिंगारी है।

मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण2.0 के माध्यम से मंत्रालय बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के पोषण परिणामों को बेहतर बनाने हेतु एक समन्वित तंत्र विकसित कर रहा है। इस अभियान का केंद्र है, देशभर में फैले 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों का विशाल नेटवर्क, जो लगभग 10 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रहा है। यद्यपि इसमें 1 करोड़ से अधिक महिलाएँ और 23 लाख से अधिक किशोरियाँ शामिल हैं, लेकिन लाभार्थियों में से अधिकांश 6 महीने से 6 वर्ष की आयु के बच्चे हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 'एक समय पर एक भोजनइ के सिद्धांत पर कार्य करते हुए 8 करोड़ से अधिक बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के ज़रिए, भविष्य को पोषित कर रहा है। इस प्रयास का मूल है– पूरक पोषण कार्यक्रम, जिसके अंतर्गत बच्चों को गर्म पका हुआ भोजन और सभी लाभार्थियों को पौष्टिक टेक होम राशन प्रदान किया जाता है, जिसका उद्देश्य अनुशंसित आहार भत्ता (आरडीए) और औसत दैनिक सेवन (एडीआई) के बीच के महत्वपूर्ण अंतर को पाटना है। हम विविध आहार को अपनाते हुए स्थानीय, मौसमी और पारंपरिक खाद्य पदार्थों जैसे श्री अन्न– जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, कुट्टू आदि को बढ़ावादेकर– हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि प्रत्येक बच्चे को सीखने, बढ़ने और फलने–फूलने के लिए आवश्यक ऊर्जा मिले।

जहाँ हमने बच्चों में स्टंटिंग और वेस्टिंग की समस्याओं सेनिपटने में प्रगति की है, वहीं अब हम एक अन्य महत्वपूर्ण पोषण संकेतक– अधिक वजन और मोटापे की समस्या को भी दूर करने की दिशा में अग्रसर हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, बचपन में मोटापा बच्चों के वयस्क होने पर उनके लिए गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकता है, जिससे टाइप–2 मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गैर–संचारी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। मोटापे और अधिक वजन के मनोवैज्ञानिक परिणाम भी हो सकते हैं, जो स्कूल के प्रदर्शन और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं, और बढ़ते भेदभाव और कलंक के कारण यह स्थिति और भी बदतर हो जाती है।

यूनिवर्सिटी ऑफ़ सदर्न कैलिफ़ोर्निया द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया बर्कले और मैकगिल के सहयोग से किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को गर्भावस्था के दौरान गर्भ में रहते हुए भी, अपने पहले 1,000 दिनों के दौरान चीनी सेवन पर नियंत्रण लगाया गया, उनमें वयस्क होने पर टाइप 2 मधुमेह होने का जोखिम 35 प्रतिशत तक कम और उच्च रक्तचाप होने का जोखिम 20 प्रतिशत तक कम हो गया। यह दर्शाता है कि गर्भवती माँ का चीनी सेवन भी

बच्चों के दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है।

इस समस्या के समाधान और पूरक पोषण की समग्र गुणवत्ता में सुधार के लिए, मंत्रालय ने हाल ही में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पूरक पोषण की संरचना के संबंध में एक परामर्श जारी किया है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठनऔर राष्ट्रीय पोषण संस्थान की सिफारिशों के अनुरूप है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार, वयस्कों और बच्चों, दोनों के लिए चीनी का सेवन कुल दैनिक ऊर्जा सेवन के 10 प्रतिशत तक कम किया जाना चाहिए। दैनिक ऊर्जा सेवन में अधिमुक्त शर्करा की मात्रा को और घटाकर 5 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है।

राष्ट्रीय पोषण संस्थान हहृह की 2024 के आहार दिशानिर्देशों के अनुसार, 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कोई अतिरिक्त चीनी नहीं दी जानी चाहिए और गर्भवती महिलाओं सहितसभी आयु व जेंडर समूहोंके लिए चीनी का सेवन 5 प्रतिशतसे कम होना चाहिए।

अधिमुक्त शर्करा बच्चों में दंत क्षय और दांतों की सड़न– का एक प्रमुख कारण भी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, यहदंत क्षय(कैविटी)कोबढ़ाने में एक आवश्यकआहार कारक है। चीनी सेवन को सीमित करने से बच्चों में दांतों की सड़न और क्षय को कम किया जा सकता है।

हमारेमंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को परामर्श दिया है कि परिष्कृत चीनी का उपयोग सीमित किया जाए, ज़रूरत पड़ने पर गुड़ या अन्य प्राकृतिक मिठास का इस्तेमाल करें, और इसे कुल ऊर्जा सेवन के 5 प्रतिशत से कम तक सीमित रखें।हमने अनुरोध किया है कि पूरक पोषण में नमक का इस्तेमाल कम से कम किया जाए। हम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सुबह के नाश्ते और स्वास्थ्यवर्धक आहार में मिठास वाले व्यंजनों की संख्या भी घटाने का आग्रह किया गया है।

हम राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को ऐसे ञ्ञक्रव्यंजन विकसित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं जिनमें अतिरिक्त नमक और चीनी न हो, जिससे लाभार्थी अपनी व्यक्तिगत पसंद के अनुसार स्वाद बदल सकें। सभी आयु समूहों में वसा, नमक और चीनी की अधिकता वाले खाद्य पदार्थों के उपयोग को भी हतोत्साहित किया गया है। खाद्य गुणवत्ता में सुधार के लिए हमने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से आग्रह किया है कि सामग्री को खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम 2011 का पालन करना चाहिए और शिशु आहार खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण हेतु खाद्य) विनियम, 2020 का पालन करना चाहिए।अतिरिक्त चीनी को 'नाइ कहकर, भारत मोटापे, उच्च रक्तचाप व मधुमेह जैसी रोकथाम योग्य बीमारियों से मुक्त भविष्य के लिए 'हाँइ कह रहा है।

जहाँ पारंपरिक खाद्य पदार्थ बाज़ार में लोकप्रिय हो रहे हैं, वहीं मंत्रालय पहले से ही 'पुष्टाहारइ– स्थानीय, मौसमी सामग्री और अनाज जैसे रागी, बाजरा, टुकड़ा गेहूँ, चनाऔर फोर्टिफाइड चावल से बने पौष्टिक प्रीमिक्सप्रदान कर रहा है। ये मिश्रण– स्वाद और पोषण दोनों में समृद्ध हैं, जिन्हें स्थानीय स्वादानुसार मीठे या नमकीन रूप में तैयार किया जा सकता है। पुष्टाहार, दुकानों से खरीदे जाने वाले मिश्रणों का एक स्वास्थ्यवर्धक और अधिक बहुमुखी विकल्प है, जो स्थानीय, मौसमी स्वाद और संपूर्ण पोषण प्रदान करता है।

जैसे–जैसे हम अपने नागरिकों को पर्याप्त कैलोरी प्रदान करके सुपोषित भारत की ओर बढ़ रहे हैं, यह भी महत्वपूर्ण है कि हमारे बच्चों और महिलाओं को जो भोजन दिया जा रहा है,उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें। यह आवश्यक है कि हम अपने बच्चों, जो हमारे देश का भविष्य हैं, को जो भोजन प्रदान करते हैं, वह उनके समग्र विकास और स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त होना चाहिए।

हमारेमाननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा है, अपने खान–पान की आदतों में छोटे–छोटे बदलाव करके हम अपने भविष्य को अधिक मजबूत, स्वस्थ और रोग–मुक्त बना सकते हैं। इस अमृत काल में, हमारे बच्चों को पौष्टिक भोजन और पर्याप्त कैलोरी उपलब्ध होनी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके लिए भोजन न केवल पर्याप्त होना चाहिए, बल्कि पौष्टिक भी होना चाहिए, जो उनके समग्र विकास और वृद्धि में योगदान दे।

मुंबई हमलों 26/11 पर पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम के बयान का अर्थ

2008 में 26 नवम्बर को मुंबई के ताज होटल और बंबई रेलवे स्टेशन, सहित 7 स्थानों पर हुए पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमलें पर बोलते हुए तत्कालीन गृह मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि अमेरिका के कहने पर पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई नहीं की ।यह फैसला तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने अमेरिका की तत्कालीन विदेश मंत्री कंडोला राइस के दिल्ली में मुलाकात के बाद लिया जबकि वे पी चिदंबरम चाहते थे कि भारत को पाकिस्तान को सैन्य ताकत से जवाब देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इन हमलों में 200 से अधिक लोगों को पाकिस्तान से आए आतंकियों ने मौत के घाट उतार दिया था जिसमें से एक आतंकी मोहम्मद कसाब को मुंबई पुलिस ने जिंदा पकड़ लिया था जिसे 2012 में फांसी दी गई थी। तत्कालीन गृह मंत्री शिवराज को हटाकर तत्कालीन वित्तमंत्री पी चिदंबरम को 26 नवंबर को गृह मंत्री बनाया था । सत्रह साल बाद पी चिदंबरम ने उस समय उक्त बात स्वीकार की है जब अप्रैल 2025 में पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा की गई पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्यवाही की और कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेना पर सवाल उठा रहे हैं ।यह भी पूछ रहे हैं कि युद्ध में भारत कितने लड़ाकू विमान नष्ट हुए ।पी चिदंबरम ने अमेरिका के दबाव में तत्कालीन समय में मुंबई हमलों के बाद 2008 में कार्यवाही न करने की बात कह कर जैसे कांग्रेस की पोल खोली दी हो।तत्कालीन हालातों पर गौर करें तो उस दिन मुंबई पुलिस के एक बड़े आइपीएस अधिकारी हेमंत करकरे, और कई छोटे बड़े पुलिस बल के लोग भी मारे गए थे और पकड़े गए कसाब ने ही उस समय मारे थे जब कसाब को जिंदा पकड़ ने की कोशिश हो रही थी। आतंकी मोहम्मद कसाब ने बताया था कि वह करांची के रास्ते समुद के माध्यम से 14 आतंकियों के साथ आया था और उसकी ट्रेनिंग मुजफ्फराबाद में हुई थी और पाकिस्तान के सेना ने दी।तत्कालीन समय में इतने पुख्ता सबूत मौजूद थे लेकिन फिर भी भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व मनमोहन सिंह ने पाकिस्तान पर कोई सार्थक कारवाही नही की ।यह राज तब तक राज था जब तक कि पी चिदंबरम ने इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया।

कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व जवाहर लाल नेहरू ने 1962 में चीन युद्ध के दौरान भी बहुत ढुलमुल रवैया अपनाया था और सारा ठीकरा कृष्ण मेनन के सिर फोड़ दिया। यद्यपि 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान को सबक सिखाया था। अगर गंभीरता से पी चिदंबरम के कथन की विवेचना करे तो यह समय कांग्रेस की भीतरखाने ठीक नहीं है। वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी की कहानी है।जो गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी, शशि थरूर से पी चिदंबरम तक पहुंची है।

बात है मुद्दे की

बिहार में जारी अंतिम मतदाता सूची में ज्यादा खामियां नहीं हैं, तो अब 'वोट चोरीइ के मुद्दे पर विराम लग जाएगा। वैसे भी यह मुद्दा विपक्षी कार्यकर्ताओं को जितना गोलबंद कर पाया, आम मतदाताओं पर इसका उतना असर नहीं दिखा था। बिहार में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरा होने के बाद अंतिम मतदाता सूची को जारी कर दिया गया है। हालांकि राष्ट्रीय जनता दल ने कहा है कि वह बूथ–वार समीक्षा के बाद अपनी विस्तृत राय बताएगा, मगर शुरुआती प्रतिक्रियाओं के मुताबिक विपक्षी दल मोटे तौर पर अंतिम सूची से संतुष्ट नजर आए हैं। आरजेडी, सीपीआई (माले) और कांग्रेस नेताओं ने दावा किया है कि उनके अभियान ने मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेर-फेर के मकसद को नाकाम कर दिया। अंतिम सूची के मुताबिक लगभग 68 लाख नाम हटाए गए, जबकि 21 लाख से अधिक नए नाम जोड़े गए। नतीजतन, पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में अगले विधानसभा चुनाव में तकरीबन 47 लाख कम वोटर होंगे। इस सूची में अगर ज्यादा खामियां नहीं हैं, तो कम–से–कम बिहार में अब 'वोट चोरीइ के मुद्दे पर विराम लग जाएगा। वैसे भी यह मुद्दा विपक्षी कार्यकर्ताओं को जितना गोलबंद कर पाया, आम मतदाताओं पर इसका उतना असर नहीं दिख रहा था। तो अब समस्या आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन के सामने चुनावी कथानक की है। आरजेडी और कांग्रेस ने पहले जातीय जनगणना की मांग को सहारा बनाने की कोशिश की। मगर केंद्र ने इसका एलान कर यह मुद्दा उनसे छीन लिया। तो वोट चोरी के इल्जाम पर महागठबंधन ने खुद को केंद्रित किया।

सगाई के मौके पर सोनम कपूर ने दी कजिन अंशुला को बधाई

फिल्म निर्माता–निर्देशक बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। गुरुवार को मुंबई में उनके घर पर सगाई का भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों ने शिरकत की। इस खास मौके पर कपूर परिवार के सभी सदस्यों ने अंशुला के मंगेतर रोहन ठक्कर के साथ उनके रिश्ते को आधिकारिक रूप से सेलिब्रेट किया। अंशुला की सगाई की खुशी में उनकी कजिन और अभिनेत्री सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा की। तस्वीरों में सोनम स्टाइलिश इंडो–वेस्टर्न लुक में नजर आईं। उन्होंने ब्राउन लॉन्ग स्कर्ट के साथ मैचिंग टॉप और ब्लेजर पहना था। सोनम ने तस्वीरों के कैप्शन में लिखा, मेरी प्यारी अंशुला के लिए तैयार हूं, अब जश्न की शुरुआत! बता दें कि अंशुला और रोहन की प्रेम कहानी की शुरुआत 2022 में एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। धीरे–धीरे उनकी दोस्ती धीरे–धीरे प्यार में बदली और जुलाई 2025 में न्यूयॉर्क में दोनों ने एक–दूसरे को रिंग पहनाकर अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप दिया। अब यह जोड़ी शादी की ओर कदम बढ़ा रही है।

रुक्मिणी वसंत ने कांतारा: चैप्टर 1 को बताया ज़िंदगी बदल देने वाला अनुभव

आज जब कांतारा : चैप्टर 1 दुनियाभर में रिलीज़ हुई है, तब एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत ने अपने दिल की बात शेयर की। एक इमोशनल नोट में उन्होंने बताया कि कैसे ये सफर उन्हें एक कलाकार और इंसान दोनों रूपों में नया बना गया। उन्होंने लिखा इएक साल पहले मुझे 'कांतारा: चैप्टर 1इ का हिस्सा बनने का मौका मिला। इस फिल्म ने मुझे चुनौती दी, मुझे सिखाया, मेरे हुनर को निखारा और ज़िंदगी को एक नया नज़रिया दिया। ये फिल्म सच में प्यार और जुनून से बनी है इ सैकड़ों लोगों की मेहनत से, जिन्होंने दिन–रात एक कर दिया। इस जादुई फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बेहद आभारी हूं। रुक्मिणी ने फिल्म के कप्तान ऋषभ शेट्टी को दिल से शुक्रिया कहा: ऋषभ सर इस प्रोजेक्ट की रीढ़ हैं। सर, आपका जुनून, मेहनत और विज़न मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहा। मुझ पर भरोसा करने और इस सफर में मेरा साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद।

उन्होंने होम्बले फिल्म्स की पूरी टीम विजय किरागंदूर, चालुवे गौड़ा, आदर्श और उन सभी अनसुने हीरोज़ का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर इस अनुभव को जीवंत बनाया।

इंडिया और पाक मैच में टूटा स्मृति मंधाना का दिल, 28 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने से चूकी

कोलंबो ,महिला वर्ल्ड कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे महामुकाबले में भारतीय टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना एक ऐतिहासिक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने से महज कुछ रनों से चूक गईं। मंधाना के पास ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज बल्लेबाज ब्लेंडा क्लार्क का 28 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने का सुनहरा मौका था, लेकिन वह 23 रन के निजी स्कोर पर आउट हो गईं।

पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारत को स्मृति मंधाना के रूप में पहला झटका लगा। वह 32 गेंदों में 23 रन बनाकर कप्तान फातिमा सना की गेंद पर आउट हो गईं। उन्होंने रिव्यू भी लिया, लेकिन फैसला नहीं बदला।

इस मैच से पहले, मंधाना महिला वनडे क्रिकेट के एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ 12 रन दूर थीं। यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की ब्लेंडा क्लार्क के नाम है, जिन्होंने साल 1997 में 970 रन बनाए थे। मंधाना साल 2025 में अब तक 959 रन बना चुकी हैं। अगर वह आज 12 रन और बना लेतीं तो यह कीर्तिमान उनके नाम हो जाता। हालांकि, स्मृति मंधाना के पास वर्ल्ड कप के आने वाले मैचों में इस रिकॉर्ड को तोड़ने का पूरा मौका रहेगा। वह साल 2025 में जबरदस्त फॉर्म में रही हैं और इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में दो शतक भी जड़ चुकी हैं। मंधाना ने 2013 में अपने वनडे डेब्यू के बाद से अब तक 110 मैचों में 13 शतकों की मदद से 4919 रन बनाए हैं।

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम लेकर आ रहे तीरंदाजी का नया जोश

भारत में खेलों का जादू हमेशा से लोगों के दिलों में खास रहा है। हरियाणा की मिट्टी से लेकर देश के कोने–कोने तक, खेलों ने कई युवाओं को प्रेरित किया है।

इस कड़ी में तीरंदाजी यानी आर्चरी के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ाने के लिए बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी व पूर्व राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाज लिन लैशराम की टीम पृथ्वीराज योद्धा आगामी आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में हिस्सा लेंगी। बता दें कि लिन लैशराम पृथ्वीराज योद्धा टीम की सह–मालिक हैं। एपीएल 2 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 तक यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी। रणदीप और लिन की यह साझेदारी न केवल

खेल को बढ़ावा देगी, बल्कि युवाओं को भी तीरंदाजी जैसे खेल की तरफ आकर्षित करेगी। आईएएनएस से बात करते हुए रणदीप हुड्डा ने कहा, खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। हरियाणा में बचपन से ही खेलों की संस्कृति रही है, जहां कुश्ती, हॉकी, और बॉक्सिंग जैसे खेलों ने देश का नाम रोशन किया है। मेरे लिए तीरंदाजी जैसे खेल से जुड़ना एक गर्व की बात है। तीरंदाजी में कई खासियतें होती हैं, जैसे कि ध्यान केंद्रित करना, धैर्य बनाए रखना, और मुश्किल हालात में टिके रहना; ये सभी गुण हरियाणा की खेल संस्कृति से मेल खाते हैं। मेरी पत्नी लिन का इस खेल के साथ गहरा लगाव है, जो हमारी टीम को और मजबूत बनाता है।

इंडिया और पाक मैच में टॉस पर 'बवाल, सीसीटीवी में कैद हुई रेफरी की बड़ी गलती, भारत के पक्ष में था नतीजा

कोलंबो ,भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे महिला वर्ल्ड कप 2025 के हाई–वोल्टेज मुकाबले की शुरुआत एक बड़े विवाद के साथ हुई है। मैच के टॉस के दौरान मैच रेफरी से एक ऐसी बड़ी चूक हो गई, जिसके चलते टॉस का नतीजा भारत के पक्ष में होने के बावजूद इसे पाकिस्तान को दे दिया गया। इस पूरी घटना का वीडियो कैमरे में कैद हो गया है और अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सिक्का उछाला। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने 'टेल्सइ कॉल किया। लेकिन, मैच रेफरी शांद्रे फ्रिट्ज और प्रेजेंटर मेल जोंस ने गलती से कॉल को 'हेड्सइ बताया। सिक्का भी 'हेड्सइ ही गिरा। नियम के मुताबिक, घोषित कॉल 'हेड्सइ और सिक्के का नतीजा 'हेड्सइ आने पर टॉस भारत के पक्ष में जाना चाहिए था। लेकिन रेफरी ने बड़ी गलती करते हुए टॉस

पाकिस्तान के पक्ष में दे दिया। इसके बाद पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने बिना देर किए पहले गेंदबाजी करने का फैसला कर लिया, जबकि भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर शायद शोर के कारण इस चूक पर ध्यान नहीं दे पाईं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस तरह की गलती को एक बड़ा ब्लंडर माना जाता है। मैच रेफरी और प्रेजेंटर की यह जिम्मेदारी होती है कि वे सही कॉल को सुनें और बताएं। हालांकि भारतीय कप्तान ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद मैच अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।फिलहाल, इस विवाद के बीच मैच शुरू हो चुका है और भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी कर रही है। उम्मीद है कि इस मामले पर मैच के बाद विवाद और भी बढ़ सकता है।

संक्षिप्त समाचार

काश्तकारों ने उठाई नहर की सफाई की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बालासौड़ क्षेत्र के काश्तकारों ने सिंचाई नहर की सफाई करवाने की मांग की है। कहा कि नहर में मलबा भरने के कारण काश्तकारों को सिंचाई का पानी नहीं मिल पा रहा है। जिसे में फसल खराब होने से काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। कहा कि काश्तकारों के हित को देखते हुए जल्द से जल्द नहर की सफाई करवाई जानी चाहिए।

समस्या के संबंध में काश्तकार विजय ध्यानी, संजय सैनी, मुकेश चंद्र, पवन कुमार ने सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को पत्र भेजा है। काश्तकारों ने कहा कि सिंचाई विभाग की कौड़िया माईनर से एक सिंचाई नहर कुलाबा नं.3 से होकर जाती है, जिसे ह्यूम पाइपों से जोड़ दिया गया है। कहा गया कि करीब दो सौ किसान अपने खेतों में सिंचाई का कार्य करते आ रहे हैं। लेकिन, पिछले दिनों हुई अत्यधिक वर्षा के चलते नहर से नहर से जोड़े गए पाइपों में मलबा भर गया है, जिससे सिंचाई की लाइनें पूरी तरह से बंद हो गई है और किसानों को सिंचाई का पानी नहीं मिल पा रहा है। कहा कि अब रवि की फसल तैयार करने का समय आ गया है। लेकिन, पाइप लाइनों में मलबा भरने से किसानों के सामने सिंचाई की समस्या खड़ी हो गई है। उन्होंने सिंचाई विभाग से सिंचाई की पाइप लाइनों से मलबा साफ करने की मांग की है।

डिप्लोमा फार्मासिस्टों ने अवशेष एरियर भुगतान की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन की बैठक में विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में एनपीएस पासबुक का रख-रखाव करने, सीएचसी में कार्य की अधिकता को देखते हुए फार्मेसी अधिकारी के पदों को बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस दौरान एसोसिएशन ने चारधाम यात्रा के टीएडीए बिलों और एसीपी के अवशेष एरियर का जल्द भुगतान करने की मांग उठाई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। पदाधिकारियों ने कहा कि चिकित्सा प्रबंधन समिति का क्रियांवयन सुचारु रूप से होना चाहिए व उसमें फार्मेसी अधिकारी की भागीदारी होनी चाहिए। बैठक में पदाधिकारियों ने संगठनात्मक गतविधियों को बढ़ाने के लिए ब्लाक कार्य समितियों की हर महीने बैठक करने और फार्मेसी अधिकारियों के आकस्मिक परिस्थितियों के लिए एक कोष बनाने पर जोर दिया। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष पंचम सिंह रावत, मंत्री रूचिन माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष जीएस रावत, राहुल लखेड़ा, राजेंद्र कुमार, आरपी कोहली, विनोद कोहली, सीबी बलूनी, बृजमोहन थपलियाल आदि मौजूद रहे।

बेस चिकित्सालय में वाहन पार्किंग के लिए अब नहीं भटकना पड़ेगा

श्रीनगर गढ़वाल : वीर चंद्र सिंह गढ़वाली आयुर्विज्ञान शोध संस्थान से सम्बद्ध बेस चिकित्सालय श्रीकोट में पहुंचने वाले मरीजों और तीमारदारों को अब वाहन पार्किंग के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। बेस चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक ने दो दिनों के भीतर ओपीडी पार्किंग के बाहर लगे वाहनों को हटाने के आदेश जारी किए हैं।

चिकित्सा अधीक्षक डा. राकेश रावत ने बताया कि मरीजों एवं तीमारदारों के लिए पार्किंग सुविधा को देखते हुए पूर्व में मेडिकल कालेज एवं बेस चिकित्सालय में कार्यरत समस्त संकाय सदस्यों, सीनियर रेजीडेंस, जूनियर रेजिडेंस, कार्मिकों और छात्र-छात्राओं को ओपीडी ब्लाक के बाहर बनी पार्किंग से वाहनों को हटाने के निर्देश दिए गये थे, लेकिन किसी भी प्रकार की कार्यवाही अमल में नहीं लाई गयी है। उन्होंने डॉक्टरों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं से ओपीडी ब्लाक से दोपहिया और चौपहिया वाहनों को हटाकर अपने आवासीय भवनों के नजदीक वाहन पार्क करने के निर्देश दिए। कहा कि जो भी चिकित्सक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं चिकित्सालय आवासीय परिसर में अधिवासित नहीं है, उनको केवल अपनी कार्य अवधि में ही अपने वाहन ओपीडी पार्किंग में खड़े करने की अनुमति होगी। इसको लेकर भी औचक सत्यापन संबंधित विभागाध्यक्ष से कराया जा सकता है। उन्होंने ओपीडी पार्किंग के पास अनाधिकृत रूप से खड़े वाहनों को दो दिनों के भीतर हटाए जाने के निर्देश दिए हैं।

आंगन में झाडू लगा रहे ग्रामीण पर गुलदार ने किया हमला

सोमवार सुबह घर के आंगन में झाडू लगा रहा था व्यक्ति, दो दिन पूर्व भी गांव में गुलदार ने महिला पर किया था हमला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विकासखंड एकेश्वर के ग्राम ढंगसोली में गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। सोमवार सुबह घर के आंगन में झाडू लगा रहे व्यक्ति पर गुलदार ने हमला कर दिया। गुलदार के हमले में व्यक्ति के सिर, हाथ व चेहरे पर गंभीर चोट आई हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांवखाल में प्राथमिक उपचार देने के बाद व्यक्ति को राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार रेफर किया गया। वहीं, ग्राम ढंगसोली में दो दिन पूर्व भी गुलदार ने एक महिला पर हमला किया था। लगातार बढ़ रहे हमलों से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है।

गुलदार के हमले के बाद उपचार के लिए अस्पताल पहुंचे नीरज

सोमवार सुबह नौ बजे ग्राम ढंगसोली निवासी नीरज (45 वर्ष) अपने घर के आंगन में झाडू लगा रहे थे। इसी दौरान घर के समीप घात लगाकर बैठे गुलदार ने नीरज पर हमला कर दिया। समीप ही खड़ी नीरज की मां सिद्धिलता देवी व भाभी ने यह देखा तो वह जोर-जोर से शोर मचाने लगे। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्होंने भी शोर मचाना शुरु कर दिया। जिसके बाद गुलदार जंगल की ओर भाग गया। गंभीर रूप से घायल नीरज को ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांवखाल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार रेफर कर दिया। स्वास्थ्य केंद्र के नर्सिंग आफिसर मीना ने बताया कि नीरज के हाथ पर गुलदार के दांतों के घाव हैं। जबकि, उसके सिर व मुंह पर गुलदार के नाखूनों के निशान है। ग्राम प्रधान मंजू देवी ने बताया कि दो दिन पूर्व भी गुलदार ने देवेश्वरी देवी पर हमला कर दिया था। घर के आंगन में खड़े देवेश्वरी के पति अरविंद गुलदार की ओर दरांती लेकर दौड़े जिसके बाद उसने देवेश्वरी को छोड़ा और जंगल में चला गया। बताया कि गांव में लगातार हो रही गुलदार की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। गुलदार कब किसे अपना निवाला बना दें, कहा नहीं जा सकता। ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में पिंजरा लगवाने की मांग की है।

11 अक्टूबर को आयोजित होगा बहुउद्देशीय विधिक साक्षरता शिविर

चमोली : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को जनजातीय क्षेत्र गमशाली के दुंगधार में एक बहुउद्देशीय विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर को सफल बनाने के लिए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सिविल जज (जूनियर डिवीजन) पुनीत कुमार की अध्यक्षता में कार्यालय परिसर में बैठक आयोजित की गई। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पुनीत कुमार ने बताया कि यह शिविर माननीय जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न होगा। इस अवसर पर विधिक जानकारी के साथ-साथ विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर सरकार की संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों के निवासियों को विधिक जागरूकता के साथ ही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोग सरकारी सुविधाओं का लाभ उठा सकें। सचिव ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित योजनाओं की उपयोगी जानकारी के साथ स्टॉल लगाएं तथा ग्रामीणों को योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान करें।

सर्वोदय सेविका शशि प्रभा रावत को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सर्वोदय सेविका स्व. शशि प्रभा रावत की पुण्य तिथि पर सर्वोदय मंडल एवं कण्वाश्रम स्वराज्य समिति की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सदस्यों ने समाज सेवा में दिए गए शशि प्रभा रावत के योगदान को याद किया। कहा कि उन्होंने सदैव गरीब व असहाय लोगों की मदद के लिए कार्य किया। उन्हीं के प्रयास से हल्दूखाता में बोक्सा जनजाति बालिका विद्यालय की स्थापना की गई।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पार्षद सुखपाल शाह ने किया। सर्वप्रथम अतिथियों ने स्व. शशि प्रभा रावत के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी। वक्ताओं ने कहा कि शशि प्रभा रावत गांधीवाद व विनोबा भावे के विचारों से प्रभावित रही। कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन सर्वोदय गांधी गांधी विचारों के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने शराब बंदी से लेकर समाज सुधार के लिए कई आंदोलन चलाए। कहा कि हल्दूखाता में बोक्सा जनजाति बालिका विद्यालय भी उन्हीं के प्रयास से खुल पाया है, जो वर्तमान में हंस फाउंडेशन के सानिध्य में भव्य आकार ले चुका है। इस मौके पर रतन सिंह नेगी, डा. सुरेंद्र लाल आर्य, संपति नेगी, धर्मपाल सिंह बिष्ट, राजेंद्र पंत, शंकर दत्त जोशी, दीपक कुकरेती, डा. अजय नेगी, पीतांबर राणा, प्रवेश नवानी, विनय रावत, रजनी रावत मौजूद रहे।

अलका कंडारी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में करेगी प्रतिभाग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : 75वीं जनपदीय शरदकालीन खेल प्रतियोगिता की अंडर-14 कबड्डी बालिका वर्ग में नैनीडांडा ब्लॉक की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। टीम में जनता इंटर कॉलेज चैड चैनपुर की प्रतिभावान छात्रा अलका कंडारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार अलका का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। छात्रा के चयन पर विद्यालय परिवार ने खुशी जताई है।

रांची स्टेडियम, पौड़ी में आयोजित 75वीं जनपदीय शरदकालीन खेल प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में विकासखंड नैनीडांडा की अंडर-14 कबड्डी बालिका वर्ग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। जनता इंटर कॉलेज चैड चैनपुर के प्रधानाचार्य धनपाल सिंह रावत ने बताया कि विद्यालय की प्रतिभावान छात्रा अलका कंडारी पुत्री पूरन सिंह कंडारी का चयन अंडर-14 बालिका कबड्डी में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। उन्होंने छात्रा की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते छात्रा एवं टीम के उज्वल भविष्य की कामना की है। कहा कि यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है और अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेगी।

कोटद्वार में दोपहर के समय छाया अंधेरा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सोमवार दोपहर अचानक कोटद्वार में मौसम का मिजाज बदल गया और आसपास में घनघोर बादल छा गए। इसी के कुछ देर बाद तेज बारिश होने लगी। जिससे जगह-जगह जलभराव की स्थिति देखने को मिली। वहीं, कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरसाती रपटे पर भी पानी का वेग बढ़ गया था। जिसके कारण कुछ देर हाईवे पर यातायात बंद रहा।

कुछ दिन दिनों से दोपहर के समय उमस लोगों को परेशान कर रही थी। लेकिन, शहरवासियों को सोमवार दोपहर उस समय राहत मिली जब अचानक मौसम का मिजाज बदला और घनघोर अंधेरे के साथ झमाझम बारिश होने लगी। देर शाम तक चली बारिश के बाद मौसम खुशनुमा हो गया।

वहीं, सोमवार तड़के भी क्षेत्र में खूब वर्षा हुई। तीन दिन से दोपहर के समय उमस लोगों को परेशान कर रही थी।

कोटद्वार में बारिश के दौरान लाइट जलाकर गुजरते वाहन

इसके बाद सोमवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे अचानक मौसम का मिजाज बदला और तेज वर्षा होने लगी। करीब आधे घंटे तक वर्षा हुई। लेकिन, इसके बाद धीरे-धीरे धूप खिलने लगी। दो बजे के बाद अचानक आसमान में बादल छाने लगे। ढाई बजे पूरे शहर में अंधेरा छा गया। सड़क पर वाहन भी लाईट जलाकर आवागमन कर रहे थे। तीन बजे के बाद तेज हवाओं के साथ वर्षा होने लगी। वर्षा के कारण सड़कों पर जल भराव की स्थिति भी देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक शहर में वर्षा का दौर चलता रहा। वहीं, बारिश के कारण कोटद्वार-दुगड्डा के मध्यम राष्ट्रीय राजमाग का सफर भी डेंजर हो गया था। कई स्थानों पर पहाड़ी से बोल्डर गिरने का खतरा बना हुआ था।

महासंगठन ने मेधावियों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दसवीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में अव्वल स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन की ओर से सम्मानित किया गया। इस दौरान महासंगठन ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। नजीबाबाद रोड स्थित एक बारात घर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, महासंगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल, पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, विनय अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। महिलाओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में महिलाओं ने शानदार डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी। वक्ताओं ने महाराजा अग्रसेन को महापुरूष बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में जनहित के अनेक कार्य किए। वक्ताओं ने कहा कि हमें महाराज अग्रसेन के कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। कहा कि वर्तमान में कोटद्वार

आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को सम्मानित करते सदस्य

विधानसभा का समग्र विकास करना सबका मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। कार्यक्रम में हाईस्कूल बोर्ड में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दर्पण मित्तल व इंटरमीडिएट में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली अमायरा सिंघल के अलावा 37 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन से जुड़े 80 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सदस्यों व बेहतर कार्य करने वाले नगर इकाई के पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर महासंगठन के अध्यक्ष रामप्रसाद जिंदल, महेंद्र अग्रवाल, संजय मित्तल, चेतन गोयल, उमेश अग्रवाल, दिनेश ऐरन, श्रीकृष्ण सिंघानिया, द्वारिका प्रसाद, श्याम सुंदर अग्रवाल, गोविंद राम गुप्ता, अशोक अग्रवाल, राकेश अग्रवाल मौजूद रहे।

जिला अस्पताल को मिली अत्याधुनिक एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस

चमोली : सामुदायिक विकास कार्यों के अंतर्गत एनटीपीसी द्वारा जिला अस्पताल गोपेश्वर को अत्याधुनिक एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई। इस एम्बुलेंस का उद्घाटन जिलाधिकारी संदीप तिवारी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, अपर महाप्रबंधक (एचआर) एनटीपीसी राजेश बोईपाई, उप महाप्रबंधक एनटीपीसी डीएस गबरियाल तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह एम्बुलेंस जिले के मरीजों के लिए एक बड़ी सौगात है। एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस में आधुनिक जीवन रक्षक उपकरण लगे हैं, जो गंभीर स्थिति वाले मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने एनटीपीसी द्वारा किए जा रहे सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत इस महत्वपूर्ण सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

हर घर में सनातन का दीप जलाना ही महापरिषद का उद्देश्य

जयन्त प्रतिनिधि।

लखनऊ : सनातन महापरिषद लगातार सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य कर रहा है। इसके तहत विलुप्त हो चुके धार्मिक स्थलों के विकास को लेकर भी कार्य किया जा रहा है। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कोटद्वार स्थित चक्रवर्ती सम्राट राजा भरत की जन्मस्थली को पहचान दिलवाना है। साथ ही हरिद्वार में होने वाले आगामी महाकुंभ में भी महापरिषद सरकार के साथ मिलकर कार्य करेगा।

यह बीते एक कार्यक्रम के दौरान महापरिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सीएम पांडेय ने कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान में युवाओं को सनातन संस्कृति से जोड़ने के लिए महापरिषद कई अभियान चला रहा है। इसी के तहत स्कूल व कॉलेजों में पहुंचकर भी बच्चों को संस्कृति व सभ्यता के प्रति जागरूक किया जाता है। कहा कि महापरिषद भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की रक्षा, प्रचार-प्रसार व सामाजिक सद्भाव के लिए समर्पित है। महापरिषद मंदिरों और तीर्थस्थलों का पंजीकरण एंव सुरक्षा को लेकर भी कार्य कर रहा है। कहा कि महापरिषद की मुख्य योजनाएं कण्वाश्रम को विश्व पटल पर पहुंचाना व पर्वतीय क्षेत्रों में जीर्णशीर्ण हो चुके मंदिरों की मरम्मत करवाना है। इसके लिए महापरिषद की अलग-अलग टीमें धरातल पर कार्य कर रही हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष बीएस रावत ने कहा कि सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए पूरे देश में अभियान चलाया जाएगा। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव जय श्री पांडे, संगठन मंत्री जय प्रकाश पांडे, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष एके सक्सेना, पूजा गुप्ता अग्रवाल, दीपक वर्मा, महेंद्रनाथ, कंचन सुंडली, राजेश मोहन आदि मौजूद रहे।

दिव्यांगजनों को स्वावलंबी बनाने पर दिया जोर

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) के दो दिवसीय प्रांतीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग में दिव्यांगों के हितों को लेकर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में दिव्यांगजनों को स्वावलंबी बनाने के लिए कार्य किया जाना चाहिए। समाज के हर व्यक्ति को दिव्यांगों के हितों को लेकर कार्य करना चाहिए। पदमपुर स्थित एक बारात घर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सक्षम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. दयाल सिंह पंवार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने किया। उन्होंने दिव्यांगों के हित में किए जा रहे सक्षम के कार्यों की सराहना की। कहा कि दिव्यांगजन समाज का एक अंग है, जिनका जीवन बहुत ही कठिनाइयों से भरा हुआ होता है। कहा कि दिव्यांगजनों को स्वावलंबी बनाना जरूरी है, जिसके लिए समाज के सभी लोगों को उनके हित के लिए कार्य करने की जरूरत है। कहा कि सक्षम भी दिव्यांगजनों के हित के लिए अच्छा कार्य कर रहा है। इससे पहले सक्षम का प्रशिक्षण वर्ग आठ सत्रों में संचालित किया गया, जिसमें राज्य के दस जनपदों के कार्यकर्ता माजूद रहे। इस मौके पर सक्षम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. दयाल सिंह पंवार, राष्ट्रीय सह सचिव अभय प्रांगल, प्रांत सचिव कपिल रतूड़ी, बुद्धिवल्लभ ध्यानी, योगंबर सिंह रावत, ललित पंत, डा. अतुल गुप्ता, सतेंद्र सिंह, वीरेंद्र मुंडेपी, लता पंत, नीलम जुयाल, सुरेंद्र सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

वन कर्मियों व अधिकारियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वन्यजीव सप्ताह के तहत कालागढ़ टाइगर रिर्जव प्रभाग लैंसडौन की ओर से रामगंगा बांध कालागढ़ क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान वन कर्मियों व अधिकारियों ने लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।

पाखरौ रेंज, सोनानदी रेंज, कालागढ़ रेंज के वन कर्मियों के साथ ही प्रशिक्षण केंद्र, कालागढ़ के प्रशिक्षुओं व सिंचाई विभाग कालागढ़ के अधिकारियों व कर्मियों ने क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के दौरान रामगंगा डैम के आसपास भी सफाई की गई। रैली के माध्यम से लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वस्थ समाज निर्माण के लिए हमें स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इस मौके पर

स्वच्छता अभियान चलाते वन कर्मी व अधिकारी

उप वन संरक्षक कालागढ़ टाइगर रिजर्व प्रभाग लैंसडौन तरुण, अनामिका, शिप्रा वर्मा, धनंजय कुमार, विंदपाल सिंह, राजेंद्र चकरायत आदि मौजूद हरे।

पेड़ गिरने से छत क्षतिग्रस्त

चमोली : चमोली जिले के राजकीय इंटर कॉलेज बैरागणा के विज्ञान लैब में सोमवार को एक भारी भरकम पेड़ टूट कर लैब की क्षत पर गिर गया। इससे विज्ञान लैब की क्षत को नुकसान हुआ है तथा वर्तमान में पेड़ गिरने से लैब में छात्र–छात्राओं का पठन–पाठन करवाना सम्भव नही हो पा रहा है। वर्तमान में इस विद्यालय में पूर्ण भवन का अभाव है। विद्यालय में ऐसे अनेक पेड़ है जो भविष्य में कभी भी गिर सकते है जिससे विद्यालय भवन के साथ छात्र—छात्राओं को भी नुकसान एवं जानमाल की क्षति हो सकती है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का नाम मोहम्मद आरोहन मंसूरी गलत दर्ज हो गया है, जबकि मेरे पुत्र का सही नाम मोहम्मद इस्माइल है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का सही नाम मोहम्मद इस्माइल दर्ज कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

जावेद अहमद पुत्र सलीम अहमद निवासी विकासनगर, गाडीघाट, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1278/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र दीपक काला एवं पुत्रवधु सुनिता काला मेरे कहने सुनने में नहीं है, जिस कारण मैं अपने पुत्र दीपक काला एवं पुत्रवधु सुनिता काला से सम्बन्ध विच्छेद करता हूं तथा अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। यदि भविष्य में मेरे पुत्र दीपक काला एवं पुत्रवधु सुनिता काला द्वारा किसी भी प्रकार का कृत्य व लेन-देन किया जाता है तो वह उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहेगें तथा मेरा परिवार उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य व लेन-देन के लिए जिम्मेदार नहीं रहेगें।

मदन मोहन काला निवासी 183/3 तेलीपाडा, बिजनौर, उत्तर प्रदेश।

(1277/21)

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के महत्व के बारे में बताया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : संघ शताब्दी वर्ष पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जिला कोटद्वार की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आमजन को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के महत्व के बारे में बताया गया। कहा कि राष्ट्र सेवा के पथ पर संघ आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में शताब्दी वर्ष के निमित्त शस्त्र पूजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता संगठनात्मक जिला कोटद्वार के जिला प्रचारक कमल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ समाज सेवा में अपना सहयोग दे रहा है। कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है। पिछले 100 वर्षों की यात्रा में कई व्यवधानों के बाद भी संघ अपने लक्ष्य पर आगे बढ़ रहा है। संघ का मुख्य उद्देश्य भारत को परम वैभव तक पहुंचाना है, इसके लिए स्वयं सेवक लगातार कार्य कर रहे हैं।

जिस प्रकार भगवान श्रीराम ने 14 वर्षों का वनवास पूर्ण कर सत्य की असत्य पर जीत प्राप्त की। उसी प्रकार वर्तमान समय में संघ की धारा किरण के माध्यम से स्वयं सेवक समाज में प्रत्येक वर्ग में कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के उपरांत स्वयं सेवकों ने शिवपुर बस्ती के मुख्य मार्गों पर भी पथ संचलन किया। इस मौके पर नगर खंड प्रचारक गौरव, नगर कार्यवाह प्रशांत कुकरेती, सुदर्शन उपनगर कार्यवाह विजेंद्र मेंदोला, सहकार्यवाह रोहित बलोदी, मनमोहन सिंह, राकेश चमोली आदि मौजूद रहे।

संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य मे एकत्रीकरण कार्यक्रम आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा गाड़ीघाट बस्ती में एकत्रीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया , जिसमे मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्रीमान राहुल जी ने आपने उद्बोधन में कहा कि जब जब देश को आवश्यकता हुई स्वयंसेवक खडे हुये चाहे स्वतंत्रता सग्राम की लड़ाई हो या भारत चीन या भारत पाकिस्तान युद्ध हो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया ।

विभाजन के समय संघ ने हिंदू समाज को बचाने का काम किया संघ की कार्य पद्धति जो स्थापना के समय 1925 में थी आज भी वही है संघ ने अपनी कार्य पद्धति पर कोई परिवर्तन नहीं किया है बहुत चीजों मे परिवर्तन किये पर कार्य पद्धति को नहीं बदला आज संघ के द्वारा पूरे देश 17700 सेवा कार्य चल रहे हैं संघ पर तीन बार प्रतिबंध लगाए गए संघ को कुचलना का काम किया गया लेकिन संघ अपने कार्यों के चलते आज विश्व का सबसे बड़ा संगठन बना हैआज संघ के 36 संगठन और 77 हजार शाखाएं हैं संघ बिदेशों मे काम कर रहा है संघ का व्यापक दायरा है हिन्दू समाज एक जुट करना ,राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण करना भारत को आत्म निर्भर सांस्कृतिक रूप से जागृत हो संघ निरंतर इस दिशा मे कार्य कर रहा है कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमान कैलाश कुकरती ने की कार्यक्रम में नगर संघ चालक डॉ बीरेंद्र सिंह रावत, विभाग प्रचार प्रमुख जितेंद्र रावत ,जिला प्रचार प्रमुख अरविन्द दुदपुड़ी, प्रदीप योगेश नेगी, नकुल शांता बमराडा, प्रदीप गुसाई ,धर्मवीर जैरवाण, युवराज सिंह सहित प्रबुद्ध नागरिक जन तथा मातृ शक्ति उपस्थित रही।

जिले के 1915 किसानों को दिया मुआवजा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी जिले में बारिश और अतिवृष्टि से खेती को हुए नुकसान का मुआवजा 1915 किसानों को दिया गया है। जिले में सड़कों के साथ ही खेती को भी काफी नुकसान आपदा में हो गया था। सैंजी सहित अन्य गांवों में आई आपदा के कारण इस बार किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ी। जिले के पाबौ, थलीसैंण, कोट, कल्जीखाल में किसानों की खेती को नुकसान हो गया था। बीती 6 अगस्त को आई आपदा के चपेट में खेती के भी आने के बाद कृषि और राजस्व विभागों ने नुकसान का आंकलन किया था।

बारिश के साथ आए भारी मलबे से या खेत पट गए थे या फिर तेज बहाव की वजह से खेत ही बह गए थे। ऐसे में इस बार किसानों के हाथ मंडुवा व धान नहीं आया और नुकसान झेलना पड़ा। आपदा के बाद इसका भी आंकलन किया गया था। जिले में करीब 39.96 हेक्टेअर रकबा आपदा से प्रभावित हुआ है। मुख्य कृषि अधिकारी पौड़ी डॉ. वीकेएस यादव ने बताया कि 1915 किसानों की मंडुआ, धान आदि फसलों को नुकसान हुआ था। इसका आंकलन करने के बाद मुआवजा वितरित किया गया है। इसमें फलद्वाड़ी, सैंजी, बुरांशी, बजवाड़, भैस्वाड़ा, कंडेरी, चैड, बरसीला, धुलेत, कुल्याणी, कलूण, छानी, मरखोला, मरोड़ा, पनाउ, गडसारी, कैन्यूर, मासौ, बूंगीधार, थान, मातोली व पोखरी आदि गांव शामिल है। पैसा 2200 प्रति किसान के हिसाब से मुआवजा दिया गया है। आपदा में 50 नाली पर 18 हजार की राशि ही दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

उत्पीड़न के खिलाफ सड़कों पर उतरेगा स्वाभिमान मोर्चा

देहरादून। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा महानगर देहरादून ने उत्पीड़न के खिलाफ आंदोलन करने का निर्णय लिया है। सोमवार को मार्चा की बैठक चकराता रोड प्रदेश कार्यालय में हुई। मोर्चा के प्रदेश महासचिव राजेंद्र प्रसाद भट्ट ने कहा कि देहरादून में भ्रष्टाचार की जड़ें मजबूत हो चुकी हैं। इन जड़ों को आगामी चुनाव में जनता अपने मतदान से काटेगी। महानगर अध्यक्ष रामकुमार शंखधर ने कहा कि स्पष्ट हो चुका है कि सरकार जनहित नहीं कार्यकर्ताहित को सवीपरि मानकर कार्य कर रही है। जिला महासचिव विपिन नेगी ने कहा कि ईमानदार लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है। मोर्चा इन सभी के साथ खड़ा है। इसका जवाब सड़कों पर उतर जल्द ही दिया जाएगा। अनिल डोभाल ने कहा कि आपदा राशियों मे धांधली की शिकायत मिल रही जिसे बर्दास्त नहीं किया। चित्रपाल सजवाण ने कहा कि मोर्चा की विचारधारा स्पष्ट है। इसे जनता का समर्थन मिल रहा है। इस दौरान राजपुर वार्ड के अध्यक्ष का दायित्व प्रीतम को सौंपा गया। इस दौरान प्रीतम, सूरज मेहरोत्रा आदि मौजूद रहे।

एनडीए लिखित परीक्षा में आरआईएमसी के 27 में से 22 कैडेट्स का चयन

देहरादून। क्रैडल ऑफ एक्सीलेंस के नाम से प्रसिद्ध देहरादून स्थित राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (आरआईएमसी) ने एक बार फिर अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप शानदार प्रदर्शन किया है। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से बीते 14 सितंबर हुई एनडीए की लिखित परीक्षा में संस्थान के 27 में से 22 कैडेट्स ने सफलता का परचम लहराया है। रक्षा विभाग देहरादून के जन संपर्क ले. कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहली बार परीक्षा में बैठे 18 कैडेट में से 15 ने इसे पास किया। आंकड़ा कॉलेज में दी जाने वाली सशक्त अकादमिक नींव और अनुशासित प्रशिक्षण की प्रभावशीलता को प्रमाणित करता है। इस शानदार सफलता पर कॉलेज के कमांडेंट कर्नल राहुल अग्रवाल ने कैडेट को बधाई दी। कहा कि आरआईएमसी का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना नहीं है, बल्कि हम राष्ट्र की सेवा के लिए चरित्रवान, निष्ठावान और नेतृत्व क्षमता से परिपूर्ण भविष्य के सैन्य अधिकारी तैयार करना है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय कॉलेज के विशेष एनडीए सेल, प्रेरक शिक्षकों के मार्गदर्शन और कैडेट के परिश्रम और अनुशासन को दिया। परीक्षा में सफल हुए सभी कैडेट जल्द ही सर्विस सिलेक्शन बोर्ड (एसएसबी) इंटरव्यू की तैयारी शुरू करेंगे।

एबीवीपी के राष्ट्रीय नेता की कार पर गिरा ट्रैफिक सिग्नल पोल

देहरादून। बंगाली कोठी चौक पर सोमवार दोपहर बड़ा हादसा टल गया। यहां चलती कार के ऊपर ट्रैफिक सिग्नल पोल टूटकर आ गिरा। कार में एबीवीपी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री और अन्य नेता सवार थे। गनीमत रही कि पोल कार के इंजन वाले हिस्से पर गिरा। केबिन पर गिरा होता तो हादसा घातक हो सकता था। जो पोल गिरा वह बहुत पुराना नहीं था। ऐसे में उसकी गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है। डीएवी पीजी कॉलेज के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुमित की बोलेरो कार से एबीवीपी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री एस बालकृष्ण, प्रांत संगठन मंत्री अंकित सुद्रियाल, धीरज और जसवंत सवार थे। वह बंगाली कोठी से धर्मपुर की ओ जा रहे थे। तभी बंगाली कोठी चौक का सिग्नल अचानक कार पर गिरा। पोल गिरने से कार का इंजन वाला हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ। सुमित ने बताया कि घटना को लेकर तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को जानकारी देने के बाद वह कार को वहां सर्विस सेंटर लेकर गए। उन्होंने कहा कि पोल लगाने वाली एजेंसी के खिलाफ वह कानूनी कार्रवाई करेंगे। पोल कार के केबिन, किसी पैदल व्यक्ति या दुपहिया पर गिरा होता जान भी जा सकती थी।

14 से 16 नवंबर तक होगा देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल का 7वां संस्करण

देहरादून। देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल (डीडीएलएफ) ने अपने 7वें संस्करण की घोषणा कर दी है। यह आयोजन 14, 15 और 16 नवंबर को दून इंटरनेशनल स्कूल डालनवाला में होगा। फेस्टिवल में साहित्य में योगदान के लिए रस्किन बॉन्ड साहित्य पुरस्कार, साहस और सशक्तीकरण के लिए शिवानी–आयरन लेडी ऑफ द हिल्स पुरस्कार और हिमालयी विरासत और प्रकृति संरक्षण के लिए गार्डियंस ऑफ हिमालयाज पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

हल्द्वानी में खेल विवि और लोहाघाट में महिला स्पोर्ट्स कॉलेज की कार्यवाही तेजी से करें

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ली खेल विभाग की समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में खेल विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को राज्य में खेल अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं युवाओं को खेलों के प्रति और अधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों के दौरान तैयार किए गए खेल अवसंरचना का नियमित रख-रखाव और उसके प्रभावी उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि राज्य में खेल गतिविधियों को निरंतर गति मिल सके। उन्होंने निर्देश दिए कि इन परिसंपत्तियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए राज्यभर में नियमित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी में प्रस्तावित खेल विश्वविद्यालय तथा लोहाघाट में बनने वाले महिला स्पोर्ट्स कॉलेज की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन से प्रदेश के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं मिलेंगी, जिससे राज्य खेल क्षेत्र में नई पहचान बनाएगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और भागीदारी बढ़ाने के लिए न्याय पंचायत स्तर से लेकर विधायक, सांसद एवं मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी जैसी प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग अग्निवीर भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं को भी आवश्यक सहयोग प्रदान करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 39वें राष्ट्रीय खेलों के दृष्टिगत प्रदेश के खिलाड़ियों को और बेहतर प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को समयबद्ध रूप से पुरस्कार, छात्रवृत्ति एवं बीमा सुरक्षा के लाभ सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि खेल विभाग द्वारा निजी क्षेत्र एवं कॉरपोरेट जगत की भागीदारी से खेल अवसंरचना के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि खेल सुविधाओं का विस्तार जन-जन तक हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अनुभवी प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाए तथा राज्य में विभिन्न खेल अकादमियों की स्थापना से संबंधित कार्यों में गति लाई जाए।

महिलाओं ने सीखें आत्मनिर्भर बनने के गुर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : युवा कल्याण विभाग थलीसैंण द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत थलीसैंण ब्लॉक के ग्राम पोखरी में आयोजित तीस दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हो गया है। शिविर में 18 महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया। इस मौके पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

सोमवार को ग्राम पोखरी के पंचायत घर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान पोखरी पूरण चंद्र ने 18 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के तहत महिलाओं को सिलाई परीक्षण दिया जाता है, ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें। कहा कि महिलाएं इसे स्वरोजगार के रूप में अनाकर आत्मनिर्भर भी बन सकती हैं। इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दिनेश सिंह चौहान, बीडीओ कमल शाह, श्रीमती सीमा देवी पोखरियाल, बलबीर सिंह विद्युत विभाग, महिला मंगल दल अध्यक्ष बबीता देवी सेमवाल, रोशनी रावत खेल प्रशिक्षक युवा कल्याण विभाग, पीआरडी प्रदीप सिंह, वीरा देवी धस्माना, दीपा देवी, वीरा देवी, रीना देवी, जमुना देवी आदि मौजूद थे।

दादी—नानियों के बुढ़ापे की लाठी बनेगी सरकारः रेखा आर्या

देहरादून। प्रदेश की वृद्ध और असहाय महिलाओं को आर्थिक सामाजिक और भावनात्मक संबल देने के उद्देश्य से जल्द ही सरकार नई योजना लॉच कर सकती है। महिला सशक्तीकरण विभाग के अधिकारियों और वृद्ध महिलाओं के साथ काम करने वाले गैर सरकारी संगठन प्रतिनिधियों के साथ बैठक में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने योजना की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए। सोमवार को विधानसभा भवन स्थित सभागार में आयोजित बैठक के बाद मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि धामी सरकार प्रदेश की आधी आबादी की पूरी जिम्मेदारी निभाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पहले से लागू महिला सारथी योजना, महिला एवं बाल मुखी सहायता योजना और एकल महिला स्वरोजगार योजना के बाद अब वृद्ध महिलाओं के लिए भी विशेष योजना तैयार की जा रही है।

रेखा आर्या ने बताया कि प्रदेश के दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों की असहाय वृद्ध महिलाओं को आवश्यक पोषण, देखभाल और भावनात्मक संबल देने के उद्देश्य से नई योजना पर काम किया जा रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि पूरे प्रदेश में जनपदवार छोटे–छोटे महिला सम्मेलन आयोजित कर वृद्ध महिलाओं से सीधे संवाद किया जाएगा, ताकि उनकी समस्याएं समझी जा सकें और सरकार उन पर ठोस कदम उठा सके। मंत्री ने अधिकारियों को योजना का मसौदा तेजी से तैयार कर शासन में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उत्तराखंड में सात अक्तूबर को मनाया जाएगा गढ़ भोज दिवस

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों से परम्परागत फसलों और भोजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सात अक्तूबर को गढ़ भोज दिवस वृहद रूप से मनाने का आह्वान किया है। इस अवसर पर प्रदेश के स्कूल, कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, स्वयं सहायता समूह, होटल—रेस्टोरेंट और प्रवासी उत्तराखंडी भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री धामी ने वीडियो संदेश के माध्यम से नई पीढ़ी को परम्परागत मोटे अनाजों से बनने वाले पौष्टिक भोजन को अपनी थाली का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की समृद्ध भोजन परंपरा को देश—दुनिया के सामने लाने की दिशा में गढ़ भोज अभियान वर्ष 2000 से लगातार कार्य कर रहा है। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सहकारिता और उच्च शिक्षा विभागों को गढ़ भोज दिवस मनाने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावास, राजकीय इंटर कॉलेज, श्रीनगर में किया जाएगा, जहां डॉ. धन सिंह रावत मुख्य अतिथि होंगे। अभियान के प्रणेता द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने कहा कि यह महज उत्सव नहीं बल्कि पारंपरिक फसलों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन किसानों व पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है,

प्रीतिका रावत को मिला माय भारत एनएसएस पुरस्कार

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया प्रीतिका रावत को सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। दिल्ली : प्रतिष्ठित माय भारत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) पुरस्कार (स्वयं सेवक श्रेणी) इस वर्ष दिल्ली की सुश्री प्रीतिका रावत को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके समाज सेवा और सामुदायिक विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएसयूटी), नई दिल्ली की एनएसएस इकाई से जुड़ी प्रीतिका ने महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक स्वास्थ्य, स्वच्छता अभियान, बाल शिक्षा, युवा सहभागिता और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में प्रभावशाली पहल की हैं। उनके प्रयासों ने कई समुदायों में ठोस बदलाव लाया और एनएसएस के मूल मंत्र "स्वयं से पहले आप" को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित पुरस्कार समारोह में उनके नेतृत्व और समर्पण को सराहा गया। सम्मान प्राप्ति पर प्रीतिका ने कहा कि "एनएसएस पुरस्कार पाना मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण है। यह केवल मेरा नहीं बल्कि यह हर उस स्वयं सेवक का सम्मान है जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निःस्वार्थ भाव से काम करता है। मैं आशा करती हूँ कि यह और युवाओं को सेवा और समर्पण के मार्ग पर प्रेरित करे।" उन्होंने बताया कि वे विश्वविद्यालय के एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ. प्रवीण सरोहा के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करती हैं, जिनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने इस उपलब्धि को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि वर्तमान में दिल्ली में निवास करने वाली प्रीतिका मूलतः उत्तराखंड के चमोली जिले की निवासी हैं। यह उपलब्धि उनके गृह राज्य और विश्वविद्यालय दोनों के लिए गर्व का क्षण है। उनके पिता बख्तावर सिंह व माता बूदी रावत ने बताया कि अपनी बेटी की उत्कृष्ट उपलब्धि से अत्यंत गर्वित हैं तथा उसके सुनहरे भविष्य की कामना करते हैं। प्रीतिका की यह उपलब्धि देशभर के युवाओं को सामुदायिक सेवा और सामाजिक उत्थान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगी। एनएसएस पुरस्कार देश में स्वयं सेवकों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है, जो समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में असाधारण समर्पण को मान्यता देता है। प्रीतिका की यह उपलब्धि देशभर के युवाओं को सामुदायिक सेवा और सामाजिक उत्थान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगी।

प्रसिद्ध रंगकर्मी यमुनाराम व संस्कृति कर्मी मनोज को मिला स्व. ललित मोहन कोठियाल स्मृति सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सोमवार को पत्रकारिता के मौन साधक और नागरिक मंच पौड़ी के संस्थापक ललित मोहन कोठियाल की पुण्यतिथि पर नागरिक कल्याण समिति पौड़ी और स्व. उमेश डोभाल स्मृति ट्रस्ट द्वारा संयुक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उन्हें श्रद्धाजंलि दी गई। इस दौरान ललित मोहन कोठियाल स्मृति वन वाटिका में वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान चलाया गया। वहीं जिला अस्तपाल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किये गये।

डीएवी इंटर कॉलेज पौड़ी में एक सादे समारोह में स्व. ललित मोहन कोठियाल के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर पौड़ी नगर के विभिन्न विद्यालयों के मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नागरिक मंच पौड़ी

द्वारा नगर में सांस्कृतिक गतिविधियों और और रंगमंच के माध्यम से पौड़ी का नाम अखिल भारतीय स्तर पर रोशन करने हेतु नवांकुर नाट्य समूह के रंगकर्मी लेखक एवं निर्देशक जमुना राम तथा नगर के प्रसिद्ध संस्कृति कर्मी, गीतकार, गायक व संगीतकार मनोज रावत "अंजुल" को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए स्व. ललित मोहन कोठियाल स्मृति सम्मान प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त मंच के सक्रिय सहयोगी सदस्य भगवान सिंह, गबर सिंह और साहसिक पर्यटक प्रशांत नेगी को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मनोज रावत "अंजुल" द्वारा पलायन पर अपनी ही रचना को गीत के जरिए गाकर सुनाया गया तथा नवांकुर नाट्य समूह द्वारा भी एक गीत प्रस्तुत किया गया। ट्रस्ट के सचिव नरेश नौड़ियाल द्वारा स्व. ललित मोहन कोठियाल की पत्रकारिता, समाज सेवा और कृषि सुधार पर उनके कार्यों के बारे में प्रकाश डाला गया। प्रसिद्ध पत्रकार यूएनआई के पूर्व संपादक सुरेश नौटियाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन आशीष नेगी ने किया। श्रद्धांजलि सभा में प्रशांत नेगी, जगमोहन डांगी, नागरिक मंच के अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत, सचिव गबर सिंह नेगी, झबर सिंह रावत, ठाकुर सिंह नेगी, पुष्कर सिंह, पद्मेन्द्र सिंह, प्रशांत नेगी, मकान सिंह, भगवान सिंह, विमल नैथानी, भूपेंद्र सिंह रावत के अलावा ट्रस्ट के अध्यक्ष विमल चन्द्र सिंह नेगी, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह रावत, सिद्धबली बिष्ट, नवांकुर के पारस, सुधांशु नौड़ियाल, तनुप्रिया थपलियाल आदि मौजूद थे।

राज्य कर मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों का प्रदेशव्यापी विरोध शुरू

देहरादून। उत्तराखंड राज्य कर मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन ने 11 मांगों को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन शुरू कर दिया है। राज्य कर आयुक्त कार्यालय के साथ ही लक्ष्मी रोड राज्य कर भवन के बाहर कर्मचारियों ने सुबह प्रदर्शन भी किया। साथ ही राज्यभर में कर्मचारियों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर काम किया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी और प्रदेश महामंत्री इंद्रजीत सिंह ने बताया कि उनकी मुख्य मांगें लंबे समय से लंबित हैं, जिन पर 6 जनवरी 2024 को हुई बैठक में भी सहमति बनी थी, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। राज्य कर आयुक्त कार्यालय के बाहर सुबह मिनिस्ट्रियल कर्मचारियों ने प्रदर्शन भी किया। सभी कर्मचारियों ने बांह पर काली पट्टी बांधी हुई थी। प्रदर्शन में शाखा अध्यक्ष जसवंत सिंह खोलिया, मंत्री पिंकेश रावत, संरक्षक विरेंद्र तोमर, सलाहकार भूपेंद्र सिंह भंडारी, आशीष चंद्र, ज्योति पटवाल, विकास रावत, शंकर नेगी, रोजी सिंह, पुनीत डबराल, अमित कोठारी समेत अन्य शामिल हुए। इधर, लक्ष्मी रोड स्थित राज्य कर भवन में सांकेतिक प्रदर्शन करने वालों में एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन नेगी, संगठन मंत्री सुरेंद्र शर्मा, सुनील निरंजन, विरेंद्र रावत, निशा जुयाल, ममता नेगी, हरीश चंद्र राणा, मीरा पंवार, ज्ञान सिंह भंडारी, गीताराम डोभाल, भानू रावत, अर्चना हेमदान, वर्षा रॉय, रघुवीर तोमर समेत अन्य शामिल हुए। कर्मचारियों की प्रमुख मांगें मिनिस्ट्रीयल कार्मिकों के संशोधित ढांचे को स्वीकृति देने, पदोन्नति नियमों में बदलाव, कनिष्ठ सहायकों के खाली पड़े पचास फीसदी पदों पर भर्ती करने, कर्मचारियों के लॉगइन में कार्य का आवंटन न होना और जीएसटी बकाया को मैनुअल बनने से दोहरे कार्य का बोझ, देहरादून, हरिद्वार, रुड़की, रुद्रपुर में कर्मचारियों को आवास की सुविधा देने की मांग प्रमुखता से उठा रहे हैं।

कृमि मुक्ति दिवस और पल्स पोलियो अभियान की तैयारी समय से करें पूरी : डीएम

बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रमों के सफल आयोजन के दिए निर्देश

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में सोमवार को पल्स पोलियो विशेष अभियान और कृमि मुक्त दिवस के आयोजन की तैयारी बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को कार्यक्रमों के सुचारु और सफल संचालन के सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को कार्यक्रमों की जानकारी का छात्र-छात्राओं के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने पुलिस विभाग को पल्स पोलियो अभियान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यवस्था करने की बात कही। इस दौरान जिलाधिकारी ने कृमि मुक्त दिवस पर वितरित की जाने वाली दवाओं को लेकर सभी सुरक्षा मानकों की जांच कर बच्चों को दवा खिलाने के मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने अभियान से जुड़े समाज कल्याण, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के साथ ही सभी विभागों को कार्यक्रम में सहयोग करने के आदेश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक गुप्ता ने बताया कि जनपद में 8 अक्टूबर को कृमि मुक्ति अभियान के तहत 2 हजार 756 सरकारी और निजी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 लाख 06 हजार 194 बच्चों को एल्बेंडाजोल की खुराक खिलाई जाएगी। जिसके लिए दवाईयों का वितरण कर दी गई है। विभाग की ओर से दवाई खाने से किसी असुविधा होने पर सुरक्षा को देखते हुए हेल्प नम्बर 104 जारी किया गया है।

साथ ही विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों को चिकित्सकों के नम्बर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जबकि कार्यक्रम के प्रथम चरण में दवाई खाने से छूटे बच्चों को 15 अक्टूबर को विशेष अभियान चलाकर खुराक दी जाएगी। वहीं उन्होंने पल्स पोलियो विशेष अभियान की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के सुचारू संचालन के लिए 603 बूथ और 5 ट्रांजिट बूथ बनाए गए हैं।

जन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता पर उनका निस्तारण सुनिश्चित करें

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने सोमवार को ऋषिपर्णा सभागार में जनता दर्शन कार्यक्रम में जन समस्याएं सुनी। दूर दराज से पंहुचे लोगों ने निजी भूमि पर कब्जा, भूमि विवाद, घरेलू हिंसा, सिंचाई गूल, बाढ सुरक्षा, बिजली का बिल माफी, आर्थिक सहायता, दैवीय आपदा में क्षति, मुआवजा आदि से जुड़ी 121 शिकायतें रखी। जिनमें से अधिकतर शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया गया। जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता पर उनका निस्तारण करना सुनिश्चित करें। नीबू वाला निवासी विशाखा वर्मा ने बैंक ऋण माफ कराने को लेकर जिलाधिकारी ने शीघ्र प्रकरण की जांच कर सीएसआर से पीडित महिला की मदद हेतु सीएसआर में प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। नवाकोट निवासी जयमल सिंह ने भूमि की अदला बदली में कूटरचित हस्ताक्षर कर जमीन धोखाधड़ी की शिकायत पर एसडीएम को 15 दिनों के भीतर मामले की जांच कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

सेवा संघ का सप्तम द्विवार्षिक प्रांतीय अधिवेशन का शुभारंभ

— आयुष चिकित्सा को बढ़ाने और पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों को सशक्त बनाने पर दिया जोर

देहरादून। राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ का सप्तम द्विवार्षिक प्रांतीय अधिवेशन होटल सन पार्क, जीएचएस रोड देहरादून में शुरू हुआ। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने अधिवेशन का विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर अति विशिष्ट अतिथि कैंट विधायक सविता कपूर, विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष महिला आयोग कुसुम कंडवाल, आयुष सचिव दीपेंद्र चौधरी एवं अपर सचिव आयुष शिक्षा विभाग एवं निदेशक डॉ विजय कुमार जोगदंडे मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान आयुष विभाग की संजीवनी स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. आरपी सिंह ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम सम्मिलित होते हुए संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को संबोधित करते हुए शुभकामनाएं दी। कैबिनेट मंत्री ने राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए आयुष चिकित्सा को बढ़ावा देने और पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों को सशक्त बनाने पर जोर दिया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आयुष क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने उत्तराखंड में ईको टूरिज्म को आयुष से जोडते हुए आगे बढ़ाने पर जोर दिया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हमारा उत्तराखंड राज्य योग नीति लागू करने वाला पहला राज्य है, जो कि उत्तराखंड को आयुष प्रदेश बनाने की दिशा में एक प्रमुख कदम है। उन्होंने संघ के अधिवेशन के लिए शुभकामनाएं भी दी। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ मिथिलेश कुमार द्वारा संघ की प्रमुख मांगों को साझा किया गया। उन्होंने संघ द्वारा डीएसीपी अनुमन्य करने, वरिष्ठता क्रम के अनुसार विभागीय निदेशक व अपर निदेशक की नियुक्ति किए जाने, संवर्ग के ढांचे का पुनर्गठन कर प्रोन्नति के पद को बढ़ाने, संवर्ग में पूर्व से स्वीकृत पदों के अतिरिक्त एक अपर निदेशक और तीन पद अपर जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, चिकित्सा अधिकारियों के कुल पदों के सापेक्ष 20 वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद सृजित करने, चिकित्सा अधिकारियों को मिलने वाला एनपीए 20: करवाने, सीसीएल की स्वीकृति जिला स्तर से करवाने की मांग प्रमुखता से रखी गई।

डीएम बंसल ने की रायफल क्लब फंड से 06 असहाय, निर्बल लोगों को 1.50 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल सक्रिय राइफल क्लब फंड से आज 06 असहाय, अक्षम और जरूरतंद लोगों को 1.50 लाख की आर्थिक सहायता चेक प्रदान किए गए प्रत्येक लाभार्थी को वितरित किए 25–25 हजार आर्थिक सहायता के चैक प्रदान किए। जिलाधिकारी ने कहा कि राइफल क्लब मूलभूत सुविधाओं से हटकर एक लक्सरी ट्रांजेक्शन है। इसका उपयोग सीएसआर गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। डीएम ने समाज में असहाय लोगों को चिन्हित करने के लिए ग्राउंड स्टाफ एवं इसमें काम कर रहे अधिकारियों की भी प्रशंसा की। इस मौके पर उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। प्रथमबार रायफल फंड का उपयोग निर्धन, निर्बल, असहायों के सहायतार्थ किया जा रहा है। जिसमें जीर्णशीर्ण मकान की मरम्मत भटक रहे बुजर्ग शमशेर सिंह के चैहरे पर मुस्कान लौटा दी है। पिता का साया सर से उठने से प्रिंयका व उनके परिवार जिनमे मॉ दो दिव्यांग भाई हैं सभी का जीवन विरान बन गया है। जिलाधिकारी ने रायफल फंड से आर्थिक सहायता देकर तथा प्रिंयका कुकरेती के मास्टर की पढाई हेतु सहायता देकर प्रिंयका और उसके विरान परिवार के जीवन में लौ जला दी है। गुमशुदा पति; आर्थिक तंगी से आंनदी देवी तथा मानसिक बीमार पति की किडनी बीमारी से ग्रसित पत्नी किरण धीमान के जीवन संकट पर जिला प्रशासन ने ढाल बनकर रोजगार व उपचार हेतु आर्थिक सहायता दी है। वहीं गंभीर दुर्घटना में पैर खो चुके सूरज तथा आंख गवाने वाले मनीष को आर्थिक सहायता रूपी सहारा मिल गया है अब सूरज अपना खोल सकेंगे तथा मनीष

कृत्रिम आंख लगा पाएंगे। यह सब जिलाधिकारी के निर्णय से यह संभव हो गया है। रायफल क्लब फंड से आज फिर 06 असहाय, निर्बल लोगों को डीएम ने प्रदान की 1.50 लाख की आर्थिक सहायता। रायफल फंड से अब तक 12.55 लाख धनराशि की आर्थिक सहायता वितरित। आज गुलरघाटी निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग शमशेर सिंह जिनका मकान जीर्णशीर्ण अवस्था में है को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। चन्द्रबनी निवासी प्रियंका जिनके परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है, पिता की मृत्यु हो गई है भाई दिव्यांग है, प्रियंका को आर्थिक सहायता के साथ ही मास्टर की पढाई हेतु जिला प्रशासन करेगा खर्चा वहन। बनियावाला निवासी आनंदी देवी जिनके पति गुमशुदा है तथा आय का कोई साधन नही है। निवासी शिव एन्कलेव मेहूवाला माफी जो हाईवोल्टेज करंट लगने से पैर खराब हैं तथा घुटनों से नीचे काट दिए हैं को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। सहस्त्रधारा निवासी मनीष जो एक दुर्घटना में आंख में गंभीर चोट लगने के कारण खराब हो गई कृत्रिम आंख लगाई जानी है को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

वहीं रोड निवासी किरण धीमान जिनकी किडनी खराब है तथा पति भी मानसिक रूप से बीमार है घर पर कोई कमाने वाला नही है को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382—222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com